राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 23 नवंबर 2024 वर्ष-7,अंक-297 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट से फटकार.....आपने प्रदूषण रोकने के लिए कुछ नहीं किया

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में प्रदूषण को लेकर शुक्रवार को केजरीवाल सरकार को जमकर फटकार लगा दी। शीर्ष अदालत ने कहा, दिल्ली सरकार की कोशिशों से हम संतुष्ट नहीं हैं। दिल्ली सरकार ने ट्रकों की एंट्री रोकने के लिए भी कुछ नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई में फटकार लगाते हुए कहा, 113 एंट्री पॉइंट पर सिर्फ 13 पर सीसीटीवी क्यों हैं। केंद्र इन सभी एंट्री पॉइंट्स पर पुलिस तैनात करे। एक लीगल टीम बनाए जो यह देखे कि क्या वाकई में वाहनों की एंट्री पर रोक लगाई जा रही है या नहीं। इसके लिए हम बार एसोसिएशन के युवा वकीलों को तैनात करने जा रहे है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने प्रदूषण कंट्रोल करने के लिए दिल्ली सरकार के कदम को लेकर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। आदेशों के बावजूद दिल्ली पुलिस स्टेज 4 के प्रतिबंध समय पर लागू कराने में विफल रही। ग्रैप-4 के प्रतिबंध करीब 3 दिन और लागू रहने चाहिए। मामले की अगली सुनवाई 25 नवंबर को होगी। यह मामला एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) सीनियर एडवोकेट अपराजिता सिंह की अपील पर लिस्ट हुआ है। जिन्होंने दिल्ली में मौजूदा स्थिति को देखकर तत्काल सुनवाई की मांग रखी थी। 14 को एमिकस क्यूरी ने कहा था कि प्रदूषण के लिए दिल्ली सरकार ने कुछ भी नहीं किया, हालात गंभीर हैं।

मुझे सक्रिय राजनीति में वापस आना या नहीं, इसका जबाव कांग्रेस पार्टी आलकमान दें : नवजोत सिंह सिद्धू

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता और पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने पंजाब में सक्रिय राजनीति में लौटने पर सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा कि उनका पार्टी आलाकमान इसका जवाब दे सकता है। कांग्रेस की पंजाब इकाई के पूर्व प्रमुख सिद्धू पिछले कई महीनों से पार्टी के कार्यक्रमों और गतिविधियों से दूर चल रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव या चार विधानसभा क्षेत्रों गिद्दड़बाहा, बरनाला, डेरा बाबा नानक और चब्बेवाल में हुए उपचुनावों के लिए भी प्रचार नहीं किया। सक्रिय राजनीति में लौटने से जुड़े सवाल पर सिद्धू ने कहा, यह मेरा आलाकमान है जो जवाब दे सकता है, मैं नहीं दे सकता। इसके पहले, उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी नवजोत कौर सिद्धू अब कैंसर रोग से उबर गई हैं। अपनी पत्नी के कैंसर से उबरने के बारे में कहा, ''मुझे वास्तव में गर्व महसूस हो रहा है कि नोनी (उनकी पत्नी) को आज चिकित्सकीय रूप से कैंसर मुक्त घोषित कर दिया गया है।' पूर्व मंत्री ने कहा कि नवजोत कौर सिद्धू को करीब दो साल पहले खुद के कैंसर से पीड़ित होने का पता चला था। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी इस रोग से अब पूरी तरह से उबर गई हैं।

भारतीय नौसेना का जहाज मछली पकड़ने वाली बोट से टकराया, 11 लोगों को बचाया

पणजी। भारतीय नौसेना का एक जहाज मछली पकड़ने वाली बोट से टकरा गया। घटना गोवा तट से 70 समुद्री मील दूर हुई। भारतीय नौसेना के अधिकारियों के मुताबिक मछली पकड़ने वाली बोट में 13 लोग सवार थे। इसके बाद भारतीय नौसेना ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन कर 11 लोगों को को बचा लिया। इस बीच दो सदस्य अभी लापता है और उनके लिए बचाव अभियान जारी है। घटना के कारणों की जांच हो रही है। वहीं तटरक्षक बलों को भी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए भेजा गया है। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि अब तक 11 चालक दल को बचाया जा चुका है। मार्थोमा के दो चालक दल के सदस्यों के लिए खोज और बचाव प्रयास जारी हैं। मुंबई स्थित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) के साथ कोआर्डिनेट किया जा रहा है। बता दें कि इससे पहले भी 17 नवंबर को घटना हुई थी। इस घटना के दौरान इंडियन कोस्ट गार्ड की जहाज ने 7 भारतीय मछुआरों को बचाया था। पाकिस्तानी मैरिटाइम सिक्योरिटी एजेंसी का जहाज मछुआरों को जबरदस्ती पकड़कर करके अपनी सीमा में ले जा रहा था। इसके बाद 17 नवंबर की दोपहर 3ः30 बजे भारतीय तटरक्षक बलों को एक इमरजेंसी कॉल आया। इसके बाद तुरंत इंडियन नेवी सक्रिय हुई और कोस्ट गार्ड की जहाज ने फुल स्पीड में जाकर पाकिस्तान जहाज को रोक लिया। सभी भारतीय मछुआरों को बचाया गया।

एग्जिट पोल्स में महाराष्ट्र सीएम के लिए लोगों की पहली पसंद शिंदे

-उद्धव ठाकरे दूसरे नंबर पर, फडणवीस और अजित पवार सर्वे में पिछड़े

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले एग्जिट पोल्स ने महायुति और महाविकास अघाड़ी में कड़ी टक्कर का अनुमान लगाया है। इनमें से कई एग्जिट पोल्स कह रहे हैं कि बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति को जीत मिलेगी तो तीन एग्जिट पोल्स महाविकास अघाड़ी को जिता रहे हैं। इस बीच एक अन्य एग्जिट पोल ने सीएम की पसंद के बारे में भी बताया है। सर्वे के मुताबिक जनता ने महाराष्ट्र में सीएम के तौर पर मौजूदा सीएम एकनाथ शिंदे को ही अपनी पहली पसंद बताया है। सर्वे में कहा गया है कि 31 फीसदी लोग एकनाथ शिंदे को दोबारा सीएम देखना चाहते हैं। दूसरे नंबर पर उद्धव ठाकरे हैं। उन्हें 18 फीसदी लोगों की पसंद उद्धव ठाकरे हैं। यह देवेंद्र फडणवीस के लिए झटके की तरह है, जो फिलहाल डिप्टी सीएम हैं और बीजेपी के नंबर वन पार्टी बनने की स्थिति में उन्हें सीएम के तौर पर देखा जा रहा है। देवेंद्र फडणवीस को 12 फीसदी लोगों ने सीएम के तौर पर अपनी पसंद बताया। इसके बाद चौथे नंबर पर शरद पवार आते हैं और 5वें स्थान पर बहुजन अघाड़ी के नेता प्रकाश आंबेडकर हैं। उन्हें 3 फीसदी लोगों ने पसंद किया है।

समुद्री आवाजाही के लिए निष्पक्ष नियमावली के पक्ष में भारतः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने समुद्री आवाजाही के लिए जरूरी नियमावली बनाने से जुड़ी चर्चाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत एक ऐसी नियमावली के पक्ष में है जो पक्षपात रहित और तर्कसंगत अधिकारों के साथ उन देशों के भी हित में हो जो उक्त चर्चा का हिस्सा नहीं बने हैं। यह अंतरराष्ट्रीय कानून से पूरी तरह से मेल खानी चाहिए। इसमें खासतौर पर 1982 की संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि महत्वपूर्ण है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी संघर्षों और चुनौतियों के बीच बौद्ध धर्म के शांति, अहिंसा और सह-अस्तित्व के सिद्धांत को सभी को स्वीकार करना चाहिए। मौजूदा समय में अलग-अलग खेमों में बटी हुई दुनिया के बीच यह काफी अहम है। दुनिया के कुछ हिस्से में जारी युद्ध और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते चीन के आक्रामक तेवरों के बीच लाओस की राजधानी वियनतियाने में गुरुवार को आसियान और उसके संवाद भागीदारों के रक्षा मंत्रियों की 11वीं बैठक (एडीएमएम-प्लस) का आयोजन किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून की मौजूदगी में कहा कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री आवाजाही की स्वतंत्रता, शांति और समृद्धि के लिए एक नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के पक्ष में खड़ा है। जटिल वैश्विक मुद्दों, सीमा विवादों का समाधान निकालने के लिए हमने हमेशा बातचीत का अभ्यास किया है। उन्होंने कहा कि हमें आपस में जुड़े हुए जलवायु परिवर्तन और सुरक्षा खतरों के बीच गहरी समझ बनाने की आवश्यकता है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एडीएमएम-प्लस की बैठक में भाग लेने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बीते बुधवार से लाओस के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। इसमें उनकी चीन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के अपने समकक्ष रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें हुईं। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा से ही अंतरराष्ट्रीय विवादों का संवाद के जरिए हल निकालने की वकालत की है। सीमा विवाद से लेकर व्यापार समझौतों जैसी वैश्विक चुनौतियों के बीच शांतिपूर्ण ढंग से वार्ता के लिए हमेशा हमारे द्वारा प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गई है। सतत भागीदारी के लिए एक खुली हुई बातचीत विश्वास और समझ को बढ़ावा देती है। वैश्विक मंच पर स्थिरता और समन्वय कायम करने के लिए बातचीत एक ऐसी शक्ति है। जिससे हमेशा प्रभावी और आशा अनुरूप परिणाम प्राप्त हुए हैं। भारत अंतरराष्ट्रीय समस्याओं का उचित और दीर्घकालिक समाधान निकालने में विश्वास रखता है। इसे तभी हासिल किया जा सकता है जब देश एक-दूसरे का सम्मान करते हुए रचनात्मक ढंग से सहयोग के साझा लक्ष्य की दिशा में आपस में जुड़ेंगे।

आसियान का भरोसेमंद भागीदार भारत

उन्होंने कहा कि 21वीं शताब्दी एशिया की है। आसियान क्षेत्र हमेशा से आर्थिक गतिशीलता का केंद्र रहा है। जिसमें व्यापार, वाणिज्य और संस्कृति जैसी गतिविधियां फली-फूली हैं। इस परिवर्तनकारी यात्रा में भारत क्षेत्र का एक भरोसेमंद भागीदार देश रहा है। भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच गहरे और समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। भारत, पूर्व की ओर देखो नीति की दसवीं वर्षगांठ मना रहा है। इसका परिणाम आसियान और हिंद-प्रशांत देशों के साथ हमारे मजबूत संबंधों के रूप में सामने है। दुनियाभर में आती प्राकृतिक आपदाओं को उन्होंने जलवायु परिवर्तन के खतरे के रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि बैठक के बारे जारी साझा बयान में इस खतरे को लेकर रक्षा क्षेत्र में क्षमता को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया है। इसके दुष्प्रभावों से बचाव के लिए नवाचार आधारित समाधान की जरूरत है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन पर एडीएमएम-प्लस रक्षा रणनीति बनाने का आह्वान किया।

धीरेंद्र शास्त्री के हिंदू एकता में शामिल हुए दिग्विजय सिंह के बेटे, हिंदुओं में एकता जरूरी

भोपाल।

मशहूर कथा वाचक धीरेंद्र शास्त्री इन दिनों हिंदू एकता पदयात्रा निकाल रहे हैं। इस यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के कई बड़े नेता शामिल हो रहे हैं। इस बीच कांग्रेस विधायक और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह भी यात्रा में शामिल हुए हैं। यात्रा में पहुंचकर कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा, हिंदुओं में एकता जरूरी है और यह सनातन धर्म की यात्रा है। हम बागेश्वर धाम का बहुत आदर करते हैं। वे सनातन धर्म के लिए ये यात्रा कर रहे हैं। ये यात्रा किसी दल की नहीं है बल्कि सनातन धर्म के लिए है। हिंदुओं में एकता होनी चाहिए।

बता दें कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री 21 नवंबर से हिंदू एकता पदयात्रा निकाल रहे हैं, जो 29 नवंबर तक चलेगी। यह धार्मिक यात्रा छतरपुर के करीब बागेश्वर धाम से शुरू होकर ओरछा तक जाएगी। इन 9 दिनों में बागेश्वर धाम से ओरछा तक 160 किमी की दूरी तय करने वाले है।

धीरेंद्र शास्त्री का कहना है कि हिंदुओं को एकजुट करने और सनातन धर्म का प्रचार करने के लिए वे ये पदयात्रा निकाल रहे हैं। यात्रा में बाबा बागेश्वर के साथ हजारों भक्त भी चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि यात्रा में धीरेंद्र शास्त्री हजारों भक्तों के साथ रोजाना 20 किमी पैदल चलने वाले है।

जयवर्धन के यात्रा में शामिल होने पर धीरेंद्र शास्त्री का भी बयान आया है। उन्होंने कहा,जयवर्धन सनातन धर्म पर बहुत समर्पित भाव रखते हैं।

उनके घर में राघवजी बैठे हैं। उनके घर के चारों कोनो में ठाकुरजी, बालाजी बैठे हैं। जिन्हें हमारा मकसद पता है, उन्हें पता है कि हम इस देश में एकता चाहते हैं। हम किसी पार्टी के वोटबैंक के लिए काम नहीं कर रहे हैं। हम सिर्फ हिन्दुओं को एक करने के लिए निकले हैं।

राजस्थान में पड़ने लगी कंपकपा देने वाली ठंड, कई शहरों का पारा आया नीचे

जयपुर।

राजस्थान के सर्दी अपना असर दिखाने लगी है। पिछले चार दिनों में लोग सर्दी से कांपने लगे हैं। प्रदेश के सभी जिलों में ठंडी हवाएं चल रही है, जिससे सर्दी बढ गई है। माउंटआबू के तापमान में गिरावट आई है। वहां का न्यूनतम तापमान 5.0 सेल्सियस पहुंच गया है। सीकर और फतेहपुर भी ठंड की चपेट में है। फतेहपुर का तापमान भी 6.7 डिग्री सेल्सियस और सीकर का तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। जयपुर मौसम केंद्र के मुताबिक आगामी चार पांच दिन में सर्द हवाएं और तेज चलेंगी जिससे सर्दी का असर और बढ़ेगा।सर्द हवाओं और ठंड का असर प्रदेश के ज्यादातर शहरों में दिखाई देने लगा है। लोग गरम कपड़े पहने नजर आने लगे हैं। पिछले दो दिन कोहरे का असर कम था। कोहरा कम होने से उत्तरी राजस्थान के गंगानगर, बीकानेर और हनुमानगढ़ में सर्दी से थोड़ी राहत मिली थी। शुक्रवार को कोहरे छाया रहा है। गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर सहित शेखावाटी क्षेत्र के जिलों से लेकर जयपुर तक कोहरे की चादर बिछी है। इस कोहरे की चादर के साथ स्मॉग भी है।

ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को नोटिस जारी कर जबाव मांगा.....दो सप्ताह का समय

नई दिल्ली ।

उत्तरप्रदेश के वाराणसी में ज्ञानवापी मामला में महत्वपूर्ण घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में कथित शिवलिंग का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वेक्षण कराने की मांग वाली याचिका पर मुस्लिम पक्ष को नोटिस जारी कर दिया। यह याचिका हिंदू पक्ष की ओर से कोर्ट में दाखिल की गई थी। इस पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ज्ञानवापी मामले में वाराणसी की निचली अदालत में चल रहे सभी 15 मामलों को हाईकोर्ट में स्थानांतरित करने की हिंदू पक्ष की मांग पर सुनवाई कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष मामला पेश करते हुए हिंदू पक्ष के वकील ने कहा कि कुछ याचिकाएं जिला जज और कुछ सिविल जज के पास हैं। इसकारण एक ही मामले पर अलग-अलग कोर्ट से अलग-अलग आदेश आ रहे हैं। इसलिए हमारी मांग है कि ज्ञानवापी से जुड़ी सभी याचिकाओं को एक साथ जोड़कर इलाहाबाद हाईकोर्ट में तीन जजों की बेंच के पास स्थानांतरित किया जाए।

इस पर मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा कि हिंदू पक्ष वुजुखाना के सील किए गए इलाके का एएसआई सर्वे चाहता है। जिला कोर्ट ने मांग को खारिज कर दिया था, जिसके बाद हाईकोर्ट ने इसकी इजाजत दे दी।

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 10 नक्सली ढेर, ऑटोमैटिक हथियार बरामद

सुकमा।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की घेराबंदी और उनको मौत की नींद सुलाने का काम जारी है। सुकमा जिले के कोन्टा के भेज्जी इलाके में नक्सलियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में 10 नक्सली मारे गए हैं उनके शव बरामद हुए हैं। साथ ही मौके से बड़ी संख्या में हथियार मिले हैं। इलाके में अभी भी सर्चिंग जारी है। सूत्रों के मुताबिक मुठभेड़ में 10 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। मौके से जवानों ने तीन ऑटोमैटिक समेत कई हथियार बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि नक्सलियों के साथ शुक्रवार सुबह जवानों के साथ मुठभेड़ हुई थी। दोनों तरफ से सैकड़ों राउंड फायरिंग हुई। साथ ही कई ऑटौमैटिक हथियार भी मिले हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीआरजी की टीम नक्सलियों की घेराबंदी करने निकली थी। सूचना मिली कि ओडिशा के रास्ते नक्सली छत्तीसगढ़ में प्रवेश कर गए हैं। इसके बाद ही टीम घेराबंदी के लिए गई। डीआरजी जवानों के साथ सीआरपीएफ के जवान भी मुठभेड़ में शामिल थे।

वहीं, बस्तर आईजी ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। मारे गए नक्सलियों की संख्या और हथियारों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों ओर से गोलीबारी हुई। सुकमा एसपी ने नक्सलियों के शव मिलने की पुष्टि की है। कोराजुगुड़ा, दंतेसपुरम, नागाराम, भंडारपदर के जंगल-पहाड़ी में यह मुठभेड़ हुई है। यह मुठभेड़ उस समय हुई जब जवान सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों ने जवानों पर हमला कर दिया। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से काफी देर तक गोलीबारी होती रही जिसमें कम से कम 10 नक्सली ढेर हो गए।

गलत, झूठी और राजनीति से प्रेरित कहानी को आगे बढ़ा रही कांग्रेस

-मणिपुर हिंसा को लेकर बीजेपी अध्यक्ष ने खड़गे के आरोप पर किया पलटवार

इम्फाल।

मणिपुर में हिंसा से बीजेपीप और कांग्रेस के बीच राजनीतिक खींचतान शुरू हो गई है और दोनों पार्टियां राज्य में संकट को लेकर एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को कांग्रेस पर मणिपुर अशांति के मुद्दे पर गलत, झूठा और राजनीति से प्रेरित कहानी को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। उनकी टिप्पणी खड़गे द्वारा राष्ट्रपति के हस्तक्षेप की मांग करने और संकट को कम करने में केंद्र की विफलता का आरोप लगाने के कुछ ही घंटों बाद आई है।

नड्डा ने पत्र में लिखा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आप भूल गए हैं कि न केवल आपकी सरकार ने भारत में विदेशी आतंकवादियों के अवैध प्रवास को वैध बनाया, बल्कि तत्कालीन गृहमंत्री पी. चिदंबरम ने उनके साथ संधियों पर हस्ताक्षर किए थे। इसके अलावा, गिरफ्तारी से बचने देश से भाग रहे इन ज्ञात उग्रवादी नेताओं का समर्थन किया और उनके अस्थिर प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

नड्डा ने आगे लिखा कि आपकी सरकार के तहत भारत की सुरक्षा और प्रशासनिक प्रोटोकॉल की पूर्ण विफलता एक प्रमुख कारण है कि उग्रवादी और आदतन हिंसक संगठन मणिपुर में कड़ी मेहनत से हासिल की गई शांति को खत्म करने और इसे कई दशकों तक अराजकता के युग में धकेलने की कोशिश कर रहे हैं। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूँ कि कांग्रेस के विपरीत हमारी सरकार किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और मणिपुर की सरकारें शुरुआती हिंसा के बाद से ही स्थिति को स्थिर करने और लोगों की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं।

नड्डा ने खड़गे से कहा कि आप और आपकी पार्टी ने इन घटनाक्रमों को नजरअंदाज करते हुए राजनीतिक लाभ उठाने और नापाक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए पूर्वोत्तर और उसके लोगों का इस्तेमाल करने का विकल्प चुना। कांग्रेस के पूर्व शासन में मणिपुर ने इतिहास के सबसे खूनी दौर को देखा है। उन्होंने कहा कि 90 के दशक के काले दौर में बड़े पैमाने पर हिंसा के कारण हजारों लोग मारे गए और लाखों विस्थापित हुए थे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा केवल 2011 में मणिपुर में 120 दिन से अधिक समय तक पूर्ण नाकाबंदी देखी। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और एलपीजी की कीमत देश के बाकी हिस्सों की तुलना में करीब चार गुना ज्यादा थीं और हर दिन सरकारी खजाने को करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा था।

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि वह मणिपुर मामले में हस्तक्षेप करें ताकि राज्य के लोगों की जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर हिंसा रोकने तथा सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रहने का आरोप भी लगाया था और दावा किया था कि प्रदेश की जनता अब इन दोनों सरकारों में विश्वास खो चुकी है। उन्होंने लिखा था कि देश को असाधारण रूप से गंभीर त्रासदी झेलनी पड़ी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कातिल सड़कों पर तबाह होता जीवन एक गंभीर चुनौती

भारत का सड़क यातायात तमाम विकास की उपलब्धियों एवं प्रयत्नों के बावजूद असुरक्षित एवं जानलेवा बना हुआ है, सुविधा की खूनी एवं हादसे की सड़कें नित-नयी त्रासदियों की गवाह बन रही है। भारत में सड़क दुर्घटनाएं मौतों और चोटों के प्रमुख कारणों में से एक रही हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत की जीडीपी का करीब तीन से पांच फीसदी हिस्सा सड़क हादसों में लगा है। न केवल भारत बल्कि विश्व में सड़क यातायात में मौत या जख्मी होना कुछ बहुत बड़ी परेशानियों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर वर्ष 13 लाख से अधिक लोग सड़क हादसों के शिकार व्यक्ति की मौत हो जाती है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है।

(लेखक- ललित गर्ग)

अलीगढ़ में सड़क हादसा, यमुना एक्सप्रेसवे पर बस-ट्रक भिड़ी, 5 की मौत, 15 से अधिक घायल। राजस्थान में पाली-जोधपुर हाइवे पर मरीज को एक एम्बुलेंस से दूसरे में शिफ्ट करते समय डम्पर ने मारी टक्कत, चार की मौत। दिल्ली के सिग्नेचर ब्रिज पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के दो मेडिकल छात्रों की मौत। लखनऊ में दो अलग-अलग सड़क हादसों में वृद्धा समेत दो की मौत। उत्तराखंड के देहरादून में 12 नवंबर को हुए सड़क हादसे में 6 छात्रों की मौत। ऐसे अनेक सड़क हादसे पिछले दो-तीन दिन में हुए है। वाकई भारत की सड़कों पर चलना अब जान हथेली में रखकर चलने जैसा ही होता जा रहा है। ये कातिल सड़क हादसे गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं। देश की इन कातिल एवं खूनी सड़कों की हकीकत बताता केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय का एक डराने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया। मंत्रालय के अनुसार पिछले दस सालों में हुए सड़क हादसों में 15 लाख लोग मारे गए। कमोबेश सारे देश में ऐसी घटनाएं सुनने में आती हैं जिनमें रोज सैकड़ों लोगों की जीवन लीला समाप्त हो जाती है।

भारत का सड़क यातायात तमाम विकास की उपलब्धियों एवं प्रयत्नों के बावजूद असुरक्षित एवं जानलेवा बना हुआ है, सुविधा की खूनी एवं हादसे की सड़कें नित-नयी त्रासदियों की गवाह बन रही है। भारत में सड़क दुर्घटनाएं मौतों और चोटों के प्रमुख कारणों में से एक रही हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत की जीडीपी का करीब तीन से पांच फीसदी हिस्सा सड़क हादसों में लगा है। न केवल भारत बल्कि विश्व में सड़क यातायात में मौत या जख्मी होना कुछ बहुत बड़ी परेशानियों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर वर्ष 13 लाख से अधिक लोग सड़क हादसों के शिकार व्यक्ति की मौत हो जाती है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। निश्चित रूप से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़ा एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें भारत में होती है।

परिवहन नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है, केवल चालान काटना समस्या का समाधान नहीं है। देश में 30 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी हैं। परिवहन क्षेत्र में भारी भ्रष्टाचार है लिहाजा बसों का ढंग से मेनटेनेंस भी नहीं होता। इनमें बैठने वालों की जिंदगी दांव पर लगी होती है। देश भर में बसों के रख-रखाव, उनके परिचालन, ड्राइवरों की योग्यता और अन्य मामलों में एक-समान मानक लागू करने की जरूरत है, तभी देश के नागरिक एक राज्य से दूसरे राज्य में निश्चिंत होकर यात्रा कर सकेंगे। तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाने वाले लोग सड़क के किनारे लगे बोर्ड पर लिखे वाक्य 'दुर्घटना से देर भली' पढ़ते जरूर हैं, किन्तु देर उन्हें मान्य नहीं है, दुर्घटना भले ही हो जाए। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका 'द लांसेट' में इस मसले पर केंद्रित एक अध्ययन में बताया गया है कि भारत में सड़क सुरक्षा के उपायों में सुधार लाकर हर साल तीस हजार से ज्यादा लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। अध्ययन के मुताबिक, खूनी सड़कों एवं त्रासद दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं- वाहनों की बेलगाम या तेज रफ्तार, शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट नहीं पहनना और सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना शामिल हैं।

भले ही हर सड़क दुर्घटना को केन्द्र एवं राज्य सरकारें दुर्भाग्यपूर्ण बताती है, उस पर दुख व्यक्त करती है, मुआवजे का ऐलान भी करती है लेकिन बड़ा प्रश्न है कि दुर्घटनाएं रोकने के गंभीर एवं प्रभावी उपाय अब तक क्यों नहीं किए जा सके हैं? जो भी हो, सवाल यह भी है कि इस तरह की तेज रफ्तार सड़कों पर लोगों की जिंदगी कब तक इतनी सस्ती बनी रहेगी? सचाई यह भी है कि पूरे देश में सड़क परिवहन भारी अराजकता का शिकार है। सबसे भ्रष्ट विभागों में परिवहन विभाग शुमार है। भारत में साल 2022 में सड़क हादसों में 1,68,491 लोगों की मौत हुई थी. वहीं, साल 2023 में सड़क हादसों में करीब 1,73,000 लोगों की मौत हुई. यानी, साल 2023 में हर दिन औसतन 474 लोगों की मौत हुई। परिवहन मंत्रालय की ऐसी जानकारी चौंकाती भी है एवं शर्मसार भी करती है। इन त्रासद आंकड़ों ने एक बार फिर यह सोचने को मजबूर कर दिया कि आधुनिक और बेहतरीन सुविधा की सड़के केवल रफ्तार एवं सुविधा के लिहाज से जरूरी हैं या फिर उन पर सफर का सुरक्षित होना पहले सुनिश्चित किया जाना चाहिए। वर्ष 2012 में करीब 16 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थी जो पिछले एक दशक में दुगुनी हो गई हैं। लेकिन उस अनुपात में सड़कें नहीं बढ़ीं। जहां वर्ष 2012 में देश में भारतीय सड़कों की लंबाई 48.6 लाख किलोमीटर थी, तो वर्ष 2019 में यह 63.3 लाख किलोमीटर तक जा पहुंची थी।

खूनी सड़कों में सबसे शीर्ष पर है यमुना एक्सप्रेस-वे। इस पर होने वाले जानलेवा सड़क हादसे कब थमेंगे? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि इस पर होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें मरने एवं घायल होने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यही नहीं, देश की अन्य सड़के इसी तरह इंसानों को निगल रही है, मौत का ग्रास बना रही है। इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मौत यही बताती है कि अपने देश की सड़कें कितनी अधिक जोखिम भरी हो गई हैं। बड़ा प्रश्न है कि फिर मार्ग दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं? सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय लोगों के सहयोग से वर्ष 2025 तक सड़क हादसों में 50 प्रतिशत की कमी लाना चाहता है, लेकिन यह काम तभी संभव है जब मार्ग दुर्घटनाओं के मूल कारणों का निवारण करने के लिए ठोस कदम भी उठाए जाएंगे। कुशल ड्राइवरों की कमी को देखते हुए ग्रामीण एवं पिछड़े इलाकों में ड्राइवर ट्रेनिंग स्कूल खोलने की तैयारी सही दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन इसके अलावा भी बहुत कुछ करना होगा। हमारी ट्रेफिक पुलिस एवं उनकी जिम्मेदारियों से जुड़ी एक बड़ी विडम्बना है कि कोई भी ट्रेफिक पुलिस अधिकारी चालान काटने का काम तो बड़ा लगन एवं तन्मयता से करता है, उससे भी अधिक रिश्वत लेने का काम पूरी जिम्मेदारी से करता है, प्रधानमंत्रीजी के तमाम भ्रष्टाचार एवं रिश्वत विरोधी बयानों एवं संकल्पों के यह विभाग धडल्ले से रिश्वत वसूली करता है, लेकिन किसी भी अधिकारी ने यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों को कोई प्रशिक्षण या सीख दी हो, नजर नहीं आता। यह स्थिति दुर्घटनाओं के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है।

जरूरत है सड़कों के किनारे अतिक्रमण को दूर करने की, आवारा पशुओं के प्रवेश एवं बेघड़क घुमने को भी रोकने की। ये दोनों ही स्थितियां सड़क हादसों का कारण बनती है। यह भी समझने की जरूरत है कि सड़क किनारे बसे गांवों से होने वाला हर तरह का बेरोक-टोक आवागमन भी जोखिम बढ़ाने का काम करता है। इस स्थिति से हर कोई परिचित है, लेकिन ऐसे उपाय नहीं किए जा रहे, जिससे कम से कम राजमार्ग तो अतिक्रमण और बेतरतीब यातायात से बचे रहें। इसमें संदेह है कि उलटी दिशा में वाहन चलाने, लेन की परवाह न करने और मनचाहे तरीके से ओवरटेक करने जैसी समस्याओं का समाधान केवल सड़क जागरूकता अभियान चलाकर किया जा सकता है। यह गंभीर चिंता का विषय है कि सड़कों पर बेलगाम गाड़ी चलाना कुछ लोगों के लिए मौज-मस्ती एवं फैशन का मामला होता है लेकिन यह कैसी मौज-मस्ती या फैशन है जो कई जिन्दगियां तबाह कर देती है। ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है?

संपादकीय

अडानी की मुश्किलें

एक बार फिर अडानी समूह की विश्वसनीयता को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। हालांकि, समूह ने हिंडनबर्ग के तीखे हमलों का मुकाबला बखूबी किया था, लेकिन इस बार उसे जटिल विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी अभियोजकों द्वारा दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार गौतम अडानी पर कारोबारी हितों के लिये रिश्वत देने के आरोप लगाये गए हैं। जिसके चलते समूह की कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी गई है। हालांकि, कारोबारी समूह ने रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोपों को निराधार कहकर खारिज किया है। लेकिन अब अडानी समूह के पास लंबी कानूनी लड़ाई लड़ने के लिये खुद को तैयार करने के अलावा कोई विकल्प नजर नहीं आता। पहले से ही विपक्ष के निशाने पर रहने वाले गौतम अडानी और केंद्र सरकार के मुखिया के चर्चित रिश्तों को लेकर इस विवाद ने विपक्ष को एक नया हथियार दे दिया है। बहुत संभव है संसद के शीतकालीन सत्र में इस मुद्दे पर जमकर हंगामा हो। वहीं बचाव में उतरी भाजपा ने विपक्षी दलों के शासित राज्यों में अधिकारियों की बड़ी रिश्वतखोरी के मामलों की याद दिलायी। जबकि यह मामला भारत में रिश्वत देने से जुड़ा है तो इसकी तह तक जाने के लिये सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच वक्त की जरूरत है। निस्संदेह ऐसी किसी जांच के लिये न केवल केंद्र और राज्यों के बीच बल्कि भारत व अमेरिकी अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत होगी। उल्लेखनीय है कि अडानी समूह द्वारा कथित रूप से स्टॉक बाजार में हेराफेरी के कथित आरोपों की भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड यानी सेबी द्वारा जांच की जा रही है। लेकिन सेबी की विश्वसनीयता को लेकर भी तब सवाल उठने लगे थे, जब हिंडनबर्ग द्वारा खुलासा किया गया था कि सेबी अध्यक्ष व उनके पति की विदेशों में कर वंचना के लिये चलायी जा रही अडानी समूह की ऑफशोर कंपनियों में हिस्सेदारी है। ऐसे में इस मामले में सेबी द्वारा निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की उम्मीद पर भी सवाल उठेंगे। इसके अलावा तमाम तरह के सवाल अमेरिकी अदालत द्वारा उठाये मुद्दों को लेकर सामने हैं। निस्संदेह, भारत सरकार को भी इस मामले में स्थिति स्पष्ट करने की जरूरत है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि अमेरिका में लगे आरोपों का अडानी समूह के अंतर्राष्ट्रीय निवेश पर कितना प्रभाव पड़ेगा। निश्चित रूप से अमेरिका में आपराधिक आरोप तय होना समूह के लिये एक बड़ा झटका है। लेकिन सवाल यह भी है कि भारत में दूसरे नंबर के अमीर व्यक्ति अडानी अमेरिका की नियामक कंपनियों व अदालत के निशाने पर क्यों हैं। निश्चित रूप से पिछले दशक में गौतम अडानी समूह ने अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाहों से लेकर पावर सेक्टर तक में तेजी से अपना कारोबार बढ़ाया है। वहीं दूसरी ओर गुरुवार को अडानी समूह ने इन आरोपों का खंडन किया कि अडानी ग्रीन एनर्जी ने सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया से आंध्र प्रदेश में आठ गीगावॉट सोलर पावर सप्लाई करने के टेंडर हासिल करने के लिये अधिकारियों को मोटी रिश्वत दी थी। बहरहाल, इस प्रकरण से अडानी समूह की वैश्विक महत्वाकांक्षा को झटका लग सकता है। रेटिंग एजेंसी मूडीज के मुताबिक भी, अडानी समूह के चेयरमैन व सीनियर अधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप तय होने के बाद समूह की कंपनियों की रेटिंग पर नकारात्मक प्रभाव होगा।

पार्टियों के लिए चुनाव जीतने का एकमात्र फंडा मुफ्त रेवड़ी कल्चर

(लेखक- चैतन्य भट्ट/ ईएमएस)

प्रदेश सरकार अटल ग्रह ज्योति स्कीम में बिजली सब्सिडी घटाने की तैयारी में है। वर्तमान पात्रता 150 यूनिट है जिसे 100 करने का प्रस्ताव है जिससे लगभग 62 लाख उपभोक्ता स्कीम से बाहर हो जाएंगे। किसानों को झटका देने की तैयारी भी है जिन्हें लगभग दोगुनी महंगी बिजली मिलेगी। करदाता के पैसे से मुफ़्त रेवड़ी बांटकर वोटों की फसल काटने के लिए सारे देश में मिसाल बन चुकी सरकार का यह कदम आश्चर्यजनक है। लगता है कि चुनाव की वैतरणी पार कर लेने के बाद अब सरकार को अपनी जेब में हुए छेद की फ़िक्र सताने लगी है।

मध्यप्रदेश सरकार की मुफ़्त पैसा बांटने वाली लाड़ली बहना जैसी ग्यारंटीड चुनावी सक्सेस वाली योजना ऐसी मिसाल है जिसका विधानसभा चुनावों में देश के तमाम राजनीतिक दलो ने अंधानुकरण किया है। ताजा नज़ीर महाराष्ट्र की है जहां भाजपा, शिंदे शिवसेना और अजित पवार की साझा सरकार ने एन चुनाव के पहले बहनों के वोट बटोरने का न सिर्फ ऐसा ही दांव खेला है बल्कि एक कदम आगे बढ़कर भाइयों को भी इसमें शामिल कर लिया है। बहरहाल महाराष्ट्र वित्तीय रूप से सुदृढ़ राज्य है और अपनी औद्योगिक और व्यापारिक अधोसंरचना के चलते ऐसी योजनाएं चलाने में सक्षम साबित हो सकता है। मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था मूल रूप से कृषि आधारित है। औद्योगीकरण के लिए जरूरी अधोसंरचना का शुरू से अभाव रहा है और अभी तक का इतिहास देखें तो इस दिशा में हुए प्रयास ज्यादा सफल नहीं रहे हैं। औद्योगीकरण आकर्षित करने के तमाम सरकारी आयोजनों के बावजूद स्थापित उद्योग मूलतः मध्यम और लघु श्रेणी के ही हैं। आर्थिक बदहाली के कारण समय पर सब्सिडी न मिलने से ये उद्योग भी बदहाली का शिकार हैं। नतीजतन उनसे पैदा होने वाले रोजगार की संभावनाएं धूमिल हो रही हैं।

मुफ़्त रेवड़ी कल्चर पर होने वाली बहस में अक्सर प्रश्न उठता है - इनसे सरकारें मतदाता को भ्रष्ट बनाती हैं या मतदाता का लालच सरकारों को ऐसे भ्रष्टाचार के लिए मजबूर करता है ? इनमें होने वाला गड़बड़ झाला परिचय का मोहताज नहीं है। कन्यादान योजना में दी जाने वाली एकमुश्त रकम की लालच में विवाहित जोड़ों का पुनः विवाह और दहेज में दिए जाने वाले सामान की सरकारी खरीद में भ्रष्टाचार की खबरें सुर्खियां रही हैं। सरकारी खर्च पर दी जाने वाली मंगलसूत्र जैसी पवित्र वस्तु की खरीद में जमकर भ्रष्टाचार होता रहा है। निजी शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले वंचित वर्गों के छात्रों की छात्रवृत्ति के वितरण में भी करोड़ों का भ्रष्टाचार होता रहा है। फायदा उठाने वाले चुपचाप जो मिल रहा है बहुत है की भावना से आधा पाकर पूरे पर दस्तख़त कर देते हैं। सरकारी कारिंदे और उनके आका बाकी आधा अंदर करते हैं। नेता भी मज़े से अपना हिस्सा वसूलता है और वोट की फसल बोता है। रेवड़ी कल्चर पर बहस में यह भी कहा जाता है कि इससे उत्पादकता में कमी होती है। भारतीय समाज मूल रूप से संतोषी स्वभाव का है। आज का इंतजाम हो जाए , कल की कल देखेंगे की मानसिकता वाला। ऐसे में मुफ़्त की रेवड़ियों से उत्पादकता प्रभावित होने का अंदेशा स्वाभाविक है।

इन लोक लुभावन योजनाओं पर कितनी भी बहस हो, एक बात तय है। जिस तरह से तमाम राजनीतिक दलों ने इन्हें अंगीकार किया है, ऐसी योजनाएं जल्द जाने वाली नहीं हैं। नित नए कलेवर में आती रहेंगी। वंचित और कमजोर वर्गों की सहायता बुरी नहीं है बशर्ते वह सुपात्रों तक पहुंचें और भ्रष्टाचार का साधन न बने। स्व. प्रधानमंत्री राजीव गांधी का रुपए में से मात्र पंद्रह पैसे ही गरीब आदमी तक पहुंचने वाला बयान आज भी सामयिक है। बैंक खाते में सीधे जमा होने वाली सब्सिडी रकम के जरिए यह भ्रष्टाचार कम हो सकता है। आधार और जन-धन खातों ने इसे सुगम भी बनाया है। ऐसी मदद पूरी तरह सीधे गरीब तक पहुंचती है। रास्ते में होने वाला भ्रष्टाचार भी रुकता है। मगर आदमी का दीर्घकालिक फायदा सड़क बिजली पानी जैसी अधोसंरचना के विकास में है। मुफ़्त रेवड़ियां फौरी राहत तो देती हैं मगर उनकी कीमत पर विकास का पिछड़ना सार्वजनिक हित में नहीं है। प्रदेश सरकार लगभग पौने चार लाख करोड़ के कर्ज के बोझ तले दबी हुई है। बीस हजार करोड़ प्रतिवर्ष से अधिक की राशि सिर्फ ब्याज चुकाने में जा रही है। उस पर गाहे-बगाहे कर्ज उठाने की खबरें आती रहती हैं। सरकारी नुमाइंदे कहते हैं कि कर्ज अभी भी रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित शर्तों के अंदर है। मगर सिर्फ इस आधार पर और कर्ज उठाना ठीक नहीं बैठता। बढ़ते कर्ज और ब्याज का बोझ अंततः विकास प्रभावित करता है। मुद्रास्फीति महंगाई बढ़ाती है जिसका भार अंततः आम आदमी पर पड़ता है।

मध्यप्रदेश सरकार का बिजली सब्सिडी में कमी का प्रस्ताव बताता है कि अब ऐसी योजनाएं राजकोषीय घाटे को इस हद तक प्रभावित करने की स्थिति में आ गई हैं कि सरकारें सोचने पर मजबूर हों। सौभाग्य से देश में रिजर्व बैंक जैसी दीर्घकालिक वित्तीय अनुशासन को देखने वाली संवैधानिक स्वायत्त संस्था है जो सच्चे अर्थों में राजनीतिक हितों से परे रहकर निर्णय लेती है। तात्कालिक चुनावी फायदा देखने वाले राजनैतिक दलों से उम्मीद बेमानी है। मतदाता को ही सोचना होगा कि ऐसी रेवड़ियां भले फायदेमंद लगें मगर इनसे सरकारी कोष पर पड़ने वाला भार देर सबेर उसी से वसूला जाना है। सड़क बिजली पानी जैसे अधोसंरचनात्मक विकास के प्रभावित होने और महंगाई बेरोजगारी बढ़ने जैसे अन्य प्रभाव भी अंततः उसी के सिर पड़ने वाले हैं। अंत में मामला कुल मिलाकर इस हाथ दे और उस हाथ ले वाला ही साबित हो जाना है। यह जागरूकता जितनी जल्द आए उतना अच्छा होगा।

(चिंतन-मनन)

अहिंसा का स्वरूप

सामान्यतः अहिंसा को निषेधार्थक माना जाता है। 'न हिंसा -अहिंसा'- हिंसा का अभाव अहिंसा है, यह इसकी एकांगी परिभाषा है। इसको सर्वांगीण रूप से परिभाषित करने के लिए इसके विधेयार्थ और निषेधार्थ दोनों को समझना जरूरी है। किसी प्राणी के प्राणों का वियोजन नहीं करना, इस सूत्र का हिंसा के संदर्भ में जितना मूल्य है, उससे भी अधिक मूल्य है किसी भी प्राणी के प्रति अनिष्ट चिंतन के बहिष्कार का। असत् विचार हिंसा है। असत् वचन सा है। जितना कुछ झूठ बोला जाता है, वह हिंसा की प्रेरणा से ही बोला जाता है। असत् चिंतन और असत् वाणी की तरह असत् व्यवहार मात्र हिंसा है, चाहे वह किसी के भी प्रति हो। मनुष्य की प्रवृत्ति सत् और असत् दोनों प्रकार की होती है। जिस प्रवृत्ति के साथ असत् शब्द का योग हो जाता है, वह हिंसा-संवलित ही होती है। दूसरों के प्रति द्वेष की भावना, ईर्ष्या, उन्हें गिराने का मनोभाव और उनकी बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को रोकने के सारे प्रयत्न हिंसा में अंतर्गर्भित हैं। दूसरों के मन में भय उत्पन्न करना, उनके सामने दुखद परिस्थितियां उभार देने, उनके विकास के मार्ग में बाधा पहुंचाना आदि प्रवृत्तियां भी हिंसा की परिधि में समाविष्ट हैं। इन प्रवृत्तियों का सर्वथा निरोध अहिंसा का आदर्श है। यह अहिंसा का नेगेटिव पक्ष है। अपने पॉजिटिव पक्ष में अहिंसा समता, मैत्री, संयम आदि उदात्त वृत्तियों से अनुबंधित है। यहां अहिंसा का वाच्यार्थ न मारने तक की सीमा में आबद्ध नहीं है। जहां यह प्रतिबद्धता जुड़ जाती है, अहिंसा का व्यापक अर्थ एक छोटे-से संदर्भ में समा जाता है। समता का धरातल असीम है। मैत्री की पौध इसी धरातल पर फली-फूली रह सकती है। इससे आत्मौपम्य की भावना जागृत होती है। आत्मतुला की बुद्धि से प्रेरित व्यक्ति कही अहिंसा को समझ सकता है और उसका पालन कर सकता है। जो व्यक्ति छोटे और बड़े, अनुकूल और प्रतिकूल हर प्राणी के प्रति समत्व बुद्धि का विकास करता है, वह अहिंसक होता है।

विचार मंथन

आतंकवादियों के निशाने पर पाकिस्तान अर्थात् बोया पेड़ बबूल का आम कहां से होय

(लेखक-डॉ हिदायत अहमद खान)

आतंकवादी हमला चाहे जहां भी हो, उसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। इस समय पाकिस्तान आतंकवादियों के निशाने पर है। पाकिस्तान के विभिन्न इलाकों में आतंकवादियों ने बड़े हमले कर न सिर्फ अपनी मौजूदगी को पुख्ता तौर पर दर्ज कराने का काम किया बल्कि अपनी ही सरकार के प्रति नाराजगी को भी बतला दिया है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि आतंकवाद पाकिस्तान की अपनी खुद की उपज है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक दिन पहले ही आतंकियों ने पैसेंजर वैन पर गोलियां बरसाकर करीब 50 लोगों को हलाक कर दिया। इस हमले में एक पुलिस अधिकारी सहित दर्जनों लोग घायल हुए हैं। हमले के संबंध में बताया गया कि पैसेंजर वैन जैसे ही लोअर कुर्रम के ओचुट काली और मंदुरी के करीब से गुजरी, वहां पहले से घात लगाकर बैठे आतंकियों ने उस पर अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस हमले से पहले आतंकवादियों ने पाकिस्तानी सेना की पोस्ट में एक आत्मघाती हमला किया था, जिसमें 12 सैनिकों की मौत हो गई थी। इस दौरान 6 आतंकी भी मारे गए थे। इन आतंकी हमलों की पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कड़ी निंदा की और मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। यह दस्तूर है जिसे हर आतंकी हमले के बाद सरकार को निभाना पड़ता ही है। इन घटनाओं के अलावा भी पाकिस्तान के विभिन्न इलाकों में आतंकी हमलों की खबरें लगातार आ रही हैं, लेकिन सवाल यही है कि आखिर आतंकवादियों ने पाकिस्तान में अचानक तो प्रवेश नहीं किया है। सच तो यह है कि आतंकवाद आज पाकिस्तान के लिए जो नासूर बन गया हे, वह पहले कभी इसकी ढाल हुआ करता था। इन आतंकियों को लेकर पाकिकस्तान पर सदा से आरोप लगते रहे है कि पड़ोसी मुल्कों को डराने और धमकाने के साथ सरकारों को अस्थिर करने के लिए बड़ी तादाद में हमले कराने का काम पूर्व में पाकिस्तान के द्वारा किया जाता रहा है। आतंकवादियों के हमलों से सदा परेशान रहने वाले भारत ने तो अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अनेक दफा पाकिस्तान द्वारा आतंकवादियों को प्रश्रय देने का मामला उठाया। यह अलग बात है कि इस समस्या का कोई पुख्ता हल न तब निकला और न अब निकल रहा है। हल इसलिए भी नहीं निकल सकता क्योंकि पाकिस्तान में स्थित सरकार का सदा से टोटा रहा है। पाकिस्तान में सेना द्वारा लोकतांत्रिक सरकारों को बूटों तले रौंदने की परंपरा का पालन होता आया है। ऐसे में आतंकवादियों को पालने और उनके बेजा इस्तेमाल से इंकार नहीं किया जा सकता है। जहां वर्दी से काम नहीं लिया जा सकता वहां यही आतंकवादी काम आते हैं। यहां कहना गलत नहीं होगा कि जिस आतंकवाद रुपी सांप के सपोले को दूध पिलाकर पाकिस्तान ने बड़ा किया अब वह खतरनाक अजगर का रुप धारण कर चुका है। वह अजदहा अपनी भूख मिटाने के लिए अपने ही पालने वालों को निगल रहा है। इसके बाद इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमले कौन सा आतंकी संगठन कर रहा है या कौन करवा रहा है, क्योंकि यह समस्या पाकिस्तान ने खुद की इजाद की हुई है। बावजूद इसके आतंकवाद किसी भी स्तर पर हो और कहीं पर भी हो सही नहीं ठहराया जा सकता है। इसलिए आतंकी हमलों की जितनी भर्तसना की जाए कम होगी। जहां तक पाकिस्तान की नीति का सवाल है तो इस पर भी लगातार सवाल उठ रहे हैं। हद तो यह है कि लंबे समय से पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई संस्थापक इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी बता रही हैं कि सऊदी अरब ने उनके पति को सत्ता से बेदखल करने के लिए साजिश रची थी। उसी साजिश का नतीजा है कि आज इमरान जेल में हैं और उन पर शिकंजा कसा जा रहा है। बुशरा बीबी ने एक वीडियो संदेश जारी कर बताया कि पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा से कथित तौर पर सऊदी अरब के अधिकारियों ने इमरान के खिलाफ जहर उगला था। बुशरा बीबी ने याद दिलाते हुए बताया, कि जब इमरान खान सऊदी अरब की धार्मिक यात्रा पर मदीना नंगे पांव गए थे तभी जनरल बाजवा को फोन आने शुरू हो गए थे। उनका दावा है कि सऊदी अधिकारियों ने बाजवा से तब कहा था कि ये अपने साथ किस आदमी को उठा लाए...? उनका कहना था कि वो तो शरीयत का निजाम खत्म करना चाहते हैं और वाजवा शरीयत के ठेकेदारों को उठा लाए। इस संदेश में कितनी सच्चाई है, यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन इससे एक बात तो साफ हो गई कि आजादी से लेकर अब तक पाकिस्तान का राजनीतिक गलियारा साजिशों और अपनी ही सरकारों को कमजोर करने और हिंसा के जरिए गिराने वाली घटनाओं से इतिहास भरा हुआ है। इन हालात में कहना गलत नहीं होगा कि जब बोया पेड़ बबूल का तो आम कहां से होय वाली स्थिति में पाकिस्तान है। आतंकवाद रुपी समस्या पाकिस्तान की अपनी उपज है, जिससे अब वो दो-चार हो रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

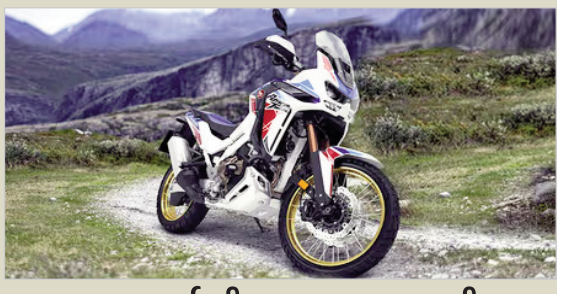

एचएमएसआई सीआरएफ1100 अफ्रीका ट्विन की कुछ इकाइयां वापस मंगाएगी

नई दिल्ली । होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने कहा कि वह थ्रॉटल ऑपरेशन (इंजन) से जुड़ी समस्याओं को ठीक करने के लिए सीआरएफ1100 अफ्रीका ट्विन की कुछ इकाइयों को वापस मंगा रही है। कंपनी ने कहा कि स्वैच्छिक वापसी वैश्विक बाजार की कार्रवाई के अनुरूप है। यह निर्देश फरवरी, 2022 और अक्टूबर, 2022 के बीच बनीं इस रोमांचक मोटरसाइकिल की कुछ इकाइयों को प्रभावित करेगा। एचएमएसआई ने कहा कि कंपनी ने मोटरसाइकिल की इंजन संबंधी एक खामी की पहचान की है। इसमें कहा गया है कि एक्सीलरेशन के दौरान, पहिया नियंत्रण प्रणाली अप्रत्याशित रूप से सक्रिय हो सकती है, जिससे कुछ मामलों में संतुलन बिगड़ सकता है। एचएमएसआई ने कहा कि सुधारात्मक उपाय के रूप में होंडा प्रभावित मोटरसाइकिलों में ईसीयू सॉफ्टवेयर को सही प्रोग्रामिंग के साथ अपडेट करेगी। बयान में कहा गया है कि वाहन की वारंटी स्थिति पर ध्यान दिए बिना यह कार्य निःशुल्क किया जाएगा।

ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं: आरबीआई

- स्थिर मुद्रास्फीति जनता और अर्थव्यवस्था के लिए सर्वोत्तम हित में है

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए इसके रेपो दरों में कटौती करने की तैयारी में है, लेकिन इसकी कोई संभावना अभी तक दिख रही है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने दोहराया है कि मुद्रास्फीति के खिलाफ केंद्रीय बैंक की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। दास ने ग्लोबल साउथ के केंद्रीय बैंकों के सम्मेलन में अपने भाषण में कहा कि मुद्रास्फीति को लक्ष्य के अनुरूप लाने की प्रतिबद्धता पर जोर देने के साथ ही हमें सहनशीलता सीमा के भीतर रहना पर्याप्त नहीं है। गवर्नर ने कहा कि मजबूत विकास ने हमें मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित करने की जगह दी है ताकि इसे 4 फीसदी के लक्ष्य तक स्थायी रूप से लाया जा सके। स्थिर मुद्रास्फीति जनता और अर्थव्यवस्था के लिए सर्वोत्तम हित में है और विकास की आधारशिला के रूप में कार्य करती है। वाणिज्य मंत्री और वित्त मंत्री दोनों ने हाल ही में कम मुद्रास्फीति के लिए जोर दिया है, जबकि आरबीआई ने रेपो दर में बदलाव नहीं किया है। कमी में ब्याज दरों में इसी मिसाल दी गई है जिसे सूचित करने का सुझाव दिया गया है। यह बड़ी रणनीतिक बदलावों के दौर में सूचित करता है जो मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए किए गए हैं।

ब्रिक्सटन लांच की अपनी 4 नई बाइक्स

नईदिल्ली ।

भारतीय बाजार में ब्रिक्सटन कंपनी ने अपनी 4 नई बाइक्स लॉन्च की हैं। इन बाइक्स का मुकाबला रॉयल एनफील्ड, केटीएम और हार्ले डेविडसन जैसी कंपनियों से होगा। आस्ट्रेलियाई कंपनी ब्रिक्सटन ने क्रॉसफायर और क्रॉमवेल रेंज की बाइक्स पेश की हैं, जिनकी कीमतें 4.74 लाख रुपये से लेकर 9.11 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक हैं। कंपनी इन बाइक्स को कंप्लीटली नॉक्ड डाउन रूट के जरिए भारत में लाएगी, और इन्हें कोल्हापुर स्थित केएडब्ल्यू वेलोस मोटर्स की फैक्ट्री में असेंबल किया जाएगा। यही कारण है कि इन बाइक्स की कीमत थोड़ी ज्यादा है, लेकिन कंपनी भारत में लोकल प्रोडक्शन शुरू करने की योजना बना रही है, जिससे भविष्य में इनकी कीमतें कम हो सकती हैं। बाइक्स की डिलीवरी जनवरी 2025 से शुरू होने की संभावना है। क्रॉसफायर 500एक्स और 500एक्ससी मॉडल नियो-रेट्रो डिज़ाइन में हैं। इन बाइक्स में 486 सीसी का लिक्विड कूल्ड इंजन है, जो 46 बीएचपी की पावर और 43 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। इनकी कीमत क्रमशः 4.74 लाख रुपये और 5.19 लाख रुपये रखी गई है। क्रॉमवेल 1200 और 1200एक्स मॉडल में 1222 सीसी का पैरलल ट्विन इंजन है, जो 82बीएचपी पावर और 108 एनएम टॉर्क जेनरेट करता है। क्रॉमवेल 1200 की कीमत 7.84 लाख रुपये और 1200एक्स की कीमत 9.11 लाख रुपये है।

2025 में शेयर बाजार में 15 फीसदी तक की रिकवरी होने का अनुमान

- घरेलू स्तर पर भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 2025 में 6.3 फीसदी रहने का अनुमान

मुंबई । इस समय घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का दौर चल रहा है लेकिन गोल्डमैन सैक्स ने भारतीय शेयर बाजार को लेकर अपना अनुमान जताया है कि 2025 में भारतीय शेयर बाजार में 15 फीसदी तक की रिकवरी देखने को मिल सकती है। इसके साथ ही निफ्टी 50 के 27,000 तक पहुंचने का अनुमान है, जो कि सितंबर 2024 के शिखर से वर्तमान में 9.5 फीसदी की गिरावट से उबरने की संभावना है। उन्होंने आईटी और फार्मा सेक्टर्स को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त किया है। इन सेक्टर्स को क्रमशः ओवरवेट और मार्केट वेट में बढ़ाया गया है। आईटी और फार्मा सेक्टर्स को वैश्विक मांग में सुधार, कमजोर रुपए और उनकी रक्षात्मक विशेषताओं से लाभ हो सकता है। आईटी सेक्टर को ओवरवेट में अपग्रेड किया गया है, खासकर निर्यात पर केंद्रित कंपनियों के कारण, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय राजस्व में सुधार का लाभ मिल रहा है। फार्मा को मार्केट वेट में बढ़ाया गया है, इसके रक्षात्मक गुण और स्थिर मार्जिन की वजह से। अनुमान के मुताबिक निफ्टी 50 अगले तीन महीनों में केवल 2 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 24,000 तक सीमित रह सकता है। ब्रोकरेज ने कहा कि एमएससीआई इंडिया का फॉरवर्ड प्राइस-टू-अर्निंग अनुपात 8 फीसदी गिरकर 22.7 गुना पर आ गया है। घरेलू स्तर पर भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 2025 में 6.3 फीसदी रहने का अनुमान है, जो 2024 में 6.7 फीसदी से कम है।

ज़िंका लॉजिस्टिक्स का शेयर करीब तीन प्रतिशत चढ़कर सूचीबद्ध

- बीएसई पर शेयर की शुरुआत निर्गम मूल्य से 2.21 प्रतिशत बढ़कर 279.05 रुपए पर हुई

नई दिल्ली । ट्रक संचालकों के लिए जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्युशंस लिमिटेड ने एक उत्कृष्ट सफलता हासिल की है। जिनके शेयर शुक्रवार को बीएसई पर लॉन्च हुए और लगभग तीन प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुए। इसके निर्माण में शेयर की शुरुआती कीमत 2.21 प्रतिशत ऊपर बैंड करने के बावजूद, बाद में शेयर में 3.44 प्रतिशत की गिरावट आई। एनएसई पर शेयर 2.89 प्रतिशत चढ़कर सूचीबद्ध हुए, लेकिन इसके बाद गिरकर 264.65 रुपये पर पहुंच गए। इन संकेतों के बावजूद जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्युशंस लिमिटेड ने अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश को सफलतापूर्वक पूरा किया। इसमें बिक्री का मूल्य 259-273 रुपये प्रति शेयर रखा गया था। कंपनी ने आईपीओ में 550 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर जारी किए गए, जिससे 2.06 करोड़ शेयरों की बिक्री हुई। इस सफलता से स्पष्ट होता है कि ट्रक संचालकों को डिजिटल मंच पर बहुत उम्मीद है और उन्हें इस नवाचारिक सॉल्युशंस से बहुत लाभ हो सकता है।

जेप्टो ने घरेलू वित्तपोषण चरण में जुटाए 35 करोड़ डॉलर

- वित्तपोषण अभियान में कई पारिवारिक कार्यालयों और निवेशक शा मिल हुए

नई दिल्ली ।

त्वरित वाणिज्य कंपनी जेप्टो ने शुक्रवार को घोषणा की है कि वह अपने हालिया वित्तपोषण (फंडरेजिंग) दौर में 35 करोड़ डॉलर जुटाएगा। कंपनी ने इसे भारत के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के अंदर 100 प्रतिशत घरेलू वित्तपोषण जुटाने का प्रतीक बताया है। इस चरण में भारतीय एचएनआई, पारिवारिक कार्यालय और अग्रणी वित्तीय संस्थानों से निवेश शामिल हैं। इस वित्तपोषण दौर का नेतृत्व विशेष रूप से मोतीलाल ओसवाल के प्राइवेट वेल्थ डिवीजन द्वारा किया गया। इस वित्तपोषण अभियान में कई पारिवारिक कार्यालयों और निवेशक शा मिल हुए। जेप्टो ने कहा कि यह दौर परिवर्तनकारी स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए भारतीय निवेशकों की बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जेप्टो ने कहा कि यह ऐतिहासिक वित्तपोषण ऐसे समय में हुआ है जब भारत की अर्थव्यवस्था घरेलू स्तर पर संचालित वृद्धि की ओर तेजी से बढ़ रही है। जेप्टो के एक व रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जब हमने यह उद्यम शुरू किया था, तो घरेलू निवेशकों में जोखिम उठाने की क्षमता सीमित थी, खासकर 18 साल के युवाओं पर भरोसा करने की। आज हम भारत की आर्थिक वृद्धि में एक ऐसे स्थान पर पहुंचकर गौरवान्वित हैं, जहां हमने न केवल उस भरोसे को बढ़ावा दिया है, बल्कि इस परिमाण के धन जुटाने का भी नेतृत्व किया है। उम्मीद है कि आने वाले स्टार्टअप के लिए यह एक मिसाल कायम करेगा।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद

सेंसेक्स 1961, निफ्टी 557 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को भारी बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिलेजुले संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आया है। इसके साथ ही आज घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीद और अमेरिकी बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से भी बाजार को बल मिला। बैंक ऑटो और आईटी शेयरों में तेजी से भी बाजार ऊपर आया । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1961.32 अंक करीब 2.54 फीसदी बढ़कर 79,117.11 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 557.35 अंक तकरीबन 2.39 फीसदी ऊपर आकर 23,907.25 पर बंद हुआ। आज बाजार में सेंसेक्स के सभी 30 शेयरों में बढ़त देखी गई। एसबीआई, टीसीएस, टाइटन, आईटीसी और इंफोसिस सेंसेक्स के सभी बढ़त वाले शेयरों में रहे। वहीं निफ्टी के 50 में से 49 शेयर तेजी पर बंद हुए। सबसे ज्यादा बढ़त स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाइटन कंपनी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचसीएल टेक के शेयरों में बढ़त

आई। केवल बजाज ऑटो के शेयर ही नीचे आये। बाजार जानकारों के अनुसार भारतीय बाजार में बड़ी कंपनियों के स्टॉक्स में सस्ते दाम पर खरीदारी से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। डॉलर इंडेक्स में बढ़ोतरी से भी आईटी स्टॉक्स की मांग बढ़ी ।

इसके अलावा, महाराष्ट्र चुनाव के एग्जिट पोल्स में महायुति गठबंधन को बढ़त मिलने की संभावना से भी बाजार में सकारात्मक माहौल रहा है। वहीं गत कारोबार सत्र में बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में तेजी के साथ कारोबार देखा जा रहा है। सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 750 अंक की तेजी के साथ 77,920 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 230 अंक की तेजी है, ये 23,580 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। एशियाई बाजार में जापान के निक्के केई में 1.02 फीसदी और कोरिया के कोस्पी में 1.10 फीसदी की तेजी है। वहीं चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स 0.46 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। गत दिवस अमेरिका का डाओ जोंस 1.06 फीसदी चढ़कर 43,870 पर और एसएंडपी 500 0.53 फीसदी बढ़कर 5,948 पर बंद हुआ। नैस्डैक भी 0.033 फीसदी चढ़कर 18,972 पर बंद हुआ।

केन्या सरकार ने अडानी ग्रुप के प्रोजेक्ट्स को रद्द करने का ऐलान किया

- अडानी समूह के अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप का मामला

नई दिल्ली ।

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने अडानी ग्रुप से जुड़ी दो प्रमुख परियोजनाओं को रद्द करने की घोषणा की। यह कदम अमेरिकी अदालत द्वारा गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और अन्य अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के बाद उठाया गया है। उन पर भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देकर सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने का आरोप है। पहला केन्या के मुख्य हवाई अड्डे के विस्तार के लिए खरीद प्रक्रिया थी, जबकि दूसरा पावर ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण के लिए 700 मिलियन डॉलर का ऊर्जा सौदा था, जिस पर पहले ऊर्जा मंत्रालय ने अडानी समूह की सहायक कंपनी के साथ हस्ताक्षर किए थे। बिजनेसमैन गौतम अडानी पर अमेरिकी कोर्ट ने भारत में सोलर कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए मन मुताबिक शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ डॉलर (लगभग 2,200 करोड़ रुपए) की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति अडानी तथा उनके भतीजे सागर अडानी सहित सात अन्य पर महंगी सौर ऊर्जा खरीदने के लिए आंध्र प्रदेश और ओडिशा के अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इसमें अधिकारियों के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। अडानी समूह ने 2021 में स्थानीय रूप से विनिर्मित सौर सेल और मॉड्यूल आधारित संयंत्रों का उपयोग करके उत्पन्न 8,000 मेगावाट (आठ गीगावाट) बिजली की आपूर्ति के लिए बोली जीती थी, लेकिन समूह बिजली खरीदने वाली राज्य सरकारों की मूल्य अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सका। अमेरिकी अधिकारियों ने दो अलग-अलग मामलों में अडानी पर रिश्वत देने और प्रतिभूति धोखाधड़ी का आरोप लगाया है।

इसमें न्यूयॉर्क की एक अदालत में अमेरिकी न्याय विभाग की तरफ से दायर एक आपराधिक मामला है। इसमें उन पर और उनके भतीजे सागर सहित सात अन्य लोगों पर आरोप लगाया गया है। इसके अलावा, अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) ने गौतम और सागर अडानी तथा एज्योर पावर के एक कार्यकारी पर संघीय प्रतिभूति कानूनों के धोखाधड़ी रोधक प्रावधानों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। इस बीच अडानी समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया और उन्हें निराधार बताया है।

अदाणी समूह के ज्यादातर शेयर दूसरे दिन भी टूटे

- अदाणी पावर के शेयरों में 6.38 प्रतिशत की गिरावट आई

नई दिल्ली । अदाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से आठ के शेयरों में शुक्रवार को सुबह के कारोबार के दौरान गिरावट दर्ज की गई। गौतम अडानी पर अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि वे सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ डॉलर (लगभग 2,200 करोड़ रुपये) की रिश्वत देने की योजना का हिस्सा थे। बीएसई पर अदाणी ग्रीन एनर्जी 10.95 प्रतिशत और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस 8.57 प्रतिशत लुढ़ककर 52 सप्ताह के निचले स्तर 637.85 रुपये पर आ गए। समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 6.98 प्रतिशत लुढ़ककर 52 सप्ताह के निचले स्तर 2,030 रुपये पर आ गया। अदाणी पावर के शेयरों में 6.38 प्रतिशत की गिरावट आई, अदाणी टोटल गैस में 6.11 प्रतिशत की गिरावट आई, अदाणी पोर्ट्स में 5.31 प्रतिशत की गिरावट आई। अदाणी विल्मर के शेयर में 5.17 फीसदी की गिरावट आई और यह एक साल के निचले स्तर 279.20 रुपये पर आ गया और एनडीटीवी में 3.41 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके विपरीत एसीसी और अंबुजा सीमेंट्स शुरुआती सौदों में गिरावट के बाद भी दो प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

ओला इलेक्ट्रिक 500 से अधिक कर्मचारियों की कर सकती है छंटनी

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक ने एक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि कंपनी की 500 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की संभावना है। इसका मुख्य कारण मार्जिन को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। ओला इलेक्ट्रिक ने अपने आईपीओ के लिए दस्तावेज दायर किए थे, जिसमें यह बताया गया था कि कंपनी मार्च 2024 तक 4,011 कर्मचारियों के साथ काम कर रही है। इसके बावजूद ओला इलेक्ट्रिक अभी तक कोई लाभ नहीं कमा पाई है। विशेषज्ञों का मानना है कि उच्च लागत और ईवी सब्सिडी में कटौती के कारण कंपनी लाभ नहीं कमा पा रही है। हालांकि, ओला ने भविष्य की योजनाओं को लेकर विश्वास जताया है कि वह इन-हाउस बैटरी प्रौद्योगिकी का उपयोग करके लागत कम करेगी और मुनाफा बढ़ाएगी। पिछले कुछ महीनों में शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत के बाद ओला इलेक्ट्रिक में कुछ सुधार नहीं हो रहा है। इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते कंपनी की धाक कम हो रही है। राज्यों ओला इलेक्ट्रिक की सर्विसेज और प्रोडक्ट क्वालिटी की जांच भी की गई है। कंपनी के प्रतिद्वंदी भी इसके चारों ओर घूमकर कंपनियों से किनारा कर रहे हैं। गुरुवार को ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 3 फीसदी गिरकर 67.23 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गए। यह कंपनी के सबसे कम बंद भाव को दर्शाता है, जिसके कारण वित्तीय विश्लेषकों ने उम्मीद जताई है कि और जोरदार गिरावट हो सकती है। ओला इलेक्ट्रिक की आने वाली कार्रवाई और मुद्रा बाजार में उसका प्रभाव देखने योग्य होगा।

वहीं, कंपनी ने अपने आगामी योजनाओं के संदर्भ में अनुमान लगाने के लिए स्थिर धारणा दिखाई है कि वह अपनी स्थिति सुधारने की कड़ी चाह में है।

टाटा नेक्सन ईवी 45 की रियल रेंज का हुआ खुलासा

नईदिल्ली ।

अगर आप टाटा मोटर्स की नेक्सन ईवी मॉडल को खरीदने की तैयारी कर रहे हैं, तब आपको पता होना चाहिए कि नेक्सन ईवी 40.5 केडब्ल्यूएच की तुलना में इसकी रेंज कितनी ज्यादा है। नेक्सन ईवी 45 के नाम से पता चलता है कि इसमें 40.5केडब्ल्यूएच की तुलना में 45केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक दिया है।

कंपनी का कहना है कि नया बैटरी पैक 15 प्रतिशत ज्यादा एनर्जी-डेंसिटी वाला है, इसलिए यह 40.5के डब्ल्यूएच यूनिट जितनी ही जगह लेता है, लेकिन इसका वजन थोड़ा ज्यादा है। इस तरह, इसकी अराई सर्टिफाइट रेंज 489केएम है, जो 40.5के डब्ल्यूएच यूनिट की तुलना में 24केएम ज्यादा है। टाटा का कहना है कि नेक्सन ईवी 45 के लिए रियल-वर्ल्ड सी 75 साइकिल रेंज लगभग 350 से 370केएम है। ब्रांड के सी75 चक्र को लगभग रियल वर्ल्ड की ड्राइविंग रेंज का प्रतिनिधित्व करने वाला बताया जाता है। रियल वर्ल्ड रेंज की बात करें तो 7.9केएम के डब्ल्यूएचकी एवरेज सिटी इफिसियंसी और 7.67के एम/के डब्ल्यूएच की एवरेज हाईवे इफिसियंसी हासिल की। इसके चलते फुल चार्ज पर 350केएम (सिटी और हाईवे) रेंज प्राप्त हुई। इसकी तुलना में 40.5के डब्ल्यूएच वर्जन से 273केएम की रेंज मिली। ये टेस्टिंग ईको मोड में की गई। जहां टॉर्क कुल आउटपुट के लगभग 70 प्रतिशत तक सीमित है। इसकी टॉप स्पीड भी सीमित है।

रीजन ब्रेकिंग को शहर में लेवल 2 और हाईवे पर लेवल 1 (सबसे कम अग्रेसिव) पर सेट किया गया था। बड़ी बैटरी के साथ, अपडेटेड नेक्सन ईवी 5एचपी अधिक बनाता है। इसमें एक नया पैनोरमिक सनरूफ है। 10 से 80प्रतिशत से चार्ज होने का समय भी 40.5केडब्ल्यूएच यूनिट के 56 मिनट के बजाय 48 मिनट रह गया है। टाटा मोटर्स के इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो में नेक्सन ईवी पॉपुलर मॉडल है। कंपनी ने इस मॉडल को बड़े बैटरी पैक, जायादा पावर और ज्यादा फीचर्स के साथ अपडेट किया है। इस मॉडल को नेक्सन ईवी 45 नाम दिया गया है।

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशक पैसा निकाल कमा रहे मोटा मुनाफा

-आईपीओ और प्रीफरेंशियल शेयर में लगाए 11.5 बिलियन डॉलर, बनाया रिकॉर्ड

मुंबई।

विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजारों से लगातार पैसे निकाल रहे हैं। इसी साल अक्टूबर में निवेशकों ने शेयर बाजार से पैसा निकालना शुरू किया था, वह अभी भी जारी है लेकिन वह यह पैसा किसी दूसरे देश में नहीं बल्कि आईपीओ में लगा रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि इस साल अभी तक उन्होंने आईपीओ और प्रीफरेंशियल शेयर की खरीद में 11.5 बिलियन डॉलर लगा चुके हैं। यह अब तक का सबसे बड़ा रेकार्ड है। इससे पहले साल 2021 में विदेशी निवेशकों ने सबसे ज्यादा पैसे आईपीओ में लगाया था। जानकारों का कहना है कि विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से ही कमाई का नया तरीका अपनाया है। अब वे सेकंडरी मार्केट से पैसा निकालकर प्राइमरी मार्केट में लगा रहे हैं और उससे मुनाफा कमाने में जुटे हुए हैं। इसका मतलब है कि एफपीआई का फोकस आईपीओ से पैसा बनाने पर है। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड ने बीते दिनों आंकड़े जारी किए। इसके अनुसार विदेशी निवेशक अब आईपीओ और प्रिफेरेंशियल शेयर सेल्स सहित उनकी प्राइमरी मार्केट में जम कर खरीदारी कर रहे हैं। विदेशी निवेशकों की इस साल की खरीदारी 11.5 बिलियन डॉलर पर पहुंच गई है। आईपीओ बाजार में निवेश का पुराना रिकार्ड साल 2021 में बना था। अब उन्होंने साल 2021 का अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। साल 2021 में विदेशी निवेशकों ने प्राइमरी मार्केट में 10.8 बिलियन डॉलर लगाए थे। इसके विपरीत इस साल ग्लोबल फंड्स ने शेयर बाजार के दोनों एक्सचेंजों पर 13 बिलियन डॉलर से ज्यादा के शेयर बेचे हैं। तभी तो बीएसई और एनएसई के प्रमुख सूचकांकों में करेक्शन दिख रहा है।

मीडिया रिपोर्ट में डीआरचोकसी फिनसर्व प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर ने बताया कि विदेशी निवेशक अब कई कंपनियों के आईपीओ में निवेश कर रहे हैं, क्योंकि उनमें बहुत तेज गति से रिटर्न जेनरेट करने की क्षमता है। वहीं दूसरी ओर सेकंडरी मार्केट में मुनाफावसूली का प्रमुख कारण हाई वैल्यूएशन है।

अगले हफ्ते खुलेगा आभा पावर एंड स्टील का आईपीओ

- आईपीओ का प्राइस बैंड 75 रुपये प्रति शेयर है

नई दिल्ली ।

छत्तीसगढ़ स्थित आभा पावर एंड स्टील कंपनी अपना पहला पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 27 नवंबर को खोलेगी। इस आईपीओ के जरिए कंपनी ने 38.5 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। आईपीओ का प्राइस बैंड 75 रुपये प्रति शेयर है और इसमें 41.39 लाख फ्रेश इश्यू शेयर और प्रमोटर सुभाष चंद अग्रवाल द्वारा 10 लाख शेयर के ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) का मिश्रण है। यह एक फिक्स प्राइस इश्यू है और निवेशक न्यूनतम और अधिकतम 1,600 इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन कर सकते हैं। आईपीओ में निवेश की सीमा को 2 लाख रुपये तक रखा गया है, जिससे एक बड़ी भागीदारी के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा। आभा पावर एंड स्टील का आईपीओ 27 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने जा रहा है और सब्सक्राइब की तारीख 29 नवंबर है। आईपीओ का आवंटन 2 दिसंबरको होने की उम्मीद है। इसकी लिस्टिंग तारीख 4 दिसंबर है, जिस पर इसे एनएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट किया जाएगा। आभा पावर एंड स्टील कंपनी छत्तीसगढ़ में दो

मैन्युफैक्चरिंग प्लांट संचालित करती है, जिनकी कुल इंस्टॉल्ड क्षमता 14,400 एमटीपीए है। कंपनी लोहे और स्टील के कस्टमाइज्ड उत्पादों की कास्टिंग और निर्माण करती है। इसके अलावा, कंपनी आरडीएसओ प्रमाणित वेंडर है और भविष्य में अपनी निर्भरता घटाने की योजना बना रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी: पहला दिन रहा गेंदबाजों के नाम

भारत पहली पारी 150 , ऑस्ट्रेलिया 67/7

पर्थ (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुक्रवार से यहां पर्थ में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट शुरु हुआ। इसमें पहले दिन का खेल गेंदबाजों के नाम रहा। जहां भारतीय टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवर में ही अपनी पहली पारी में 150 रनों पर सिमट गई। वहीं इसके बाद मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भी दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में 67 रनों पर ही 7 विकेट खो दिये। स्टंप्स के समय मिचेल स्टार्क 6 , एलेक्स कैरी 19 रनों पर खेल रहे थे।

इस प्रकार पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी भी भारतीय टीम से 83 रन से पीछे है। इस मैच में गेंदबाज इस कदर हावी रहे कि एक ही दिन में 17 विकट गिर गये जबकि दोनो ही टीमों ने कुल मिलकर 227 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से कप्तानी करते हुए जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज ने दो और हर्षित राणा ने एक विकेट लिया। वहीं इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। बुमराह ने दोनों ओपनरों उस्मान ख्वाजा (8), नाथन मैकस्वीनी (10), स्टीव स्मिथ (0) और पैट कमिंस (3) का विकेट लिया। एक विकेट हर्षित राणा के नाम रहा जिन्होंने ट्रेविस हेड को 11 रन पर अपना शिकार बनाया। मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट अपने नाम किए जिसमें मिशेल मार्श (6) और मार्नस लाबुशाने (2) शामिल थे

ऋषभ पंत 37 , केएल राहुल 26 और नीतिश कुमार रेड्डी 41 के अलावा भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज असफल रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश हेजनवुड ने 4 विकेट लिए। भारतीय टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज सशस्वी जायसवाल आज असफल रहे। यशस्वी और देवदत्त पड्डिकल खाता भी नहीं खोल पाये जबकि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी पांच रन ही बना पाये।

मैच में ऋषभ और नीतिश के बीच सातवें विकेट के लिये 48 रन की साझेदारी हुई। पंत ने आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की गेंद पर एक बड़ा छक्का भी लगाया।

स्टार्क और जोश हेजलवुड ने भारतीय शीर्षक्रम को टिकने ही नहीं दिया। स्टार्क ने 11 ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिये जबकि हेजलवुड ने 13 ओवर में 29 रन देकर चार विकेट लिए। कमिंस ने 15.4 ओवर में 67 रन देकर दो विकेट लिए। ऋषभ और नीतिश ने कुछ अच्छे शॉट्स खेले। इन दोनों के अलावा विराट सहित अन्य बल्लेबाज सहज नहीं दिखे।

राहुल 26 रन बनाकर जम ही रहे थे कि वह एक विवादित फैसले के कारण आउट दिये गये। युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और देवदत्त पड्डिकल तो खाता भी नहीं खोल पाये। मिचेल मार्श ने पांच ओवर में 12 रन देकर ध्रुव जुरेल 11 और वॉशिंगटन सुंदर 4 के विकेट लिए। यशस्वी इस मैच में स्टार्क का सामना नहीं कर पाये और उनकी शॉर्टलैंग्थ गेंद से परेशान हो गये।

वहीं देवदत्त पड्डिकल भी मेजबान गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये।

जोस बटलर की अबू धाबी टी10 में धमाकेदार बल्लेबाजी, महज 14 गेंदों में जड़ा अर्धशतक

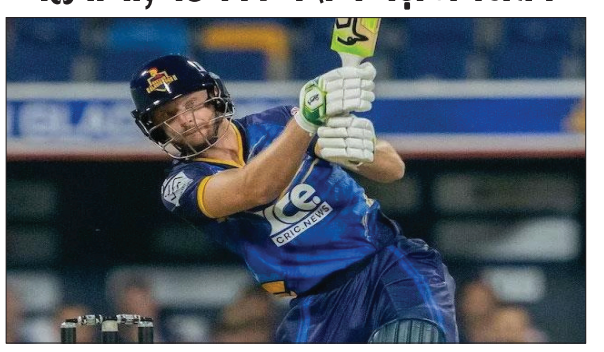

अबू धाबी (यूएई) (एजेंसी)। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने अबू धाबी टी10 के 2024 संस्करण में अपना क्लास दिखाया जो जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। उन्होंने चेन्नई ब्रेव जैगुआर्स के खिलाफ डेक्कन ग्लैडिएटर्स के लिए पहले मैच में कुछ बेहतरीन स्ट्रोक खेले और 24 गेंदों पर 4 चौकों और 6 छक्कों की मदद से नाबाद 62 रन बनाए। इस तरह उन्होंने 142 रनों के विशाल लक्ष्य को 7 विकेट से हासिल कर लिया। दाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज ने महज 14 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और जीत दर्ज करने पर खुशी जताई।

जोस बटलर ने अबू धाबी टी10 की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा, 'हमें अच्छा लग रहा है कि हमने लक्ष्य हासिल कर लिया है।' ग्लेडिएटर्स ने शुरूआती कुछ विकेट खो दिए लेकिन बटलर ने टॉम कोहलर-कैडमोर के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी की। बटलर ने कैडमोर की जमकर तारीफ की जिन्होंने अपनी शानदार पारी के लिए सिर्फ 24 गेंदों में 51 रन बनाए।

मैच के बाद बटलर ने कहा, 'वह पिछले कई सालों से टी10 में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। टूर्नामेंट में इतनी अच्छी शुरुआत करना उनके लिए बहुत बड़ी बात है।' इंग्लैंडटीम के व्हाइट-बॉल कप्तान इंग्लिश बल्लेबाजों के बल्ले से प्रदर्शन से काफी खुश हैं और इसे राष्ट्रीय टीम के लिए एक बड़ी परेशानी के तौर पर देखते हैं। उन्होंने कहा, 'फिल साल्ट शानदार क्रिकेट खेल रहे हैं और पिछले 12-18 महीनों से शानदार फॉर्म में हैं। यह इंग्लैंड टीम के लिए अच्छा है। हां, बिल्कुल। यह अच्छी बात है कि हमारी टीम में अच्छी ताकत है।'

साल्ट ने अबू धाबी टी10 अभियान की शानदार शुरुआत की जब उन्होंने टीम अबू धाबी के लिए 19 गेंदों पर 51* रन बनाए। उनके अलावा जॉनी बेयरस्टो जो उसी टीम के लिए टूर्नामेंट में खेल रहे हैं, ने अजमान बोल्ट्स के खिलाफ 14 गेंदों पर 22* रन की तेज पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिलाई। टूर्नामेंट के आगामी मैच में ग्लेडिएटर्स शुक्रवार को अजमान बोल्ट्स से भिड़ेंगे।

जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में रचा इतिहास, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने

पर्थ (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया के गेंदबाजों का प्रदर्शन काबिल-ए-तारीफ रहा है। जहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करने वाली टीम इंडिया पहली पारी में 150 रन पर ढेर हो गई। तो वहीं जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम भी कमाल नहीं दिखा पाई। कंगारू टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने एक-एक करके ढेर होते चले गए।

पहली पारी में मेजबान टीम के पहले तीन विकेट जसप्रीत बुमराह ने लिए जिसमें स्टीव स्मिथ भी शामिल रहे। स्टीव स्मिथ पहली पारी में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आए, लेकिन वो अपना खाता भी नहीं खोल पाए और बुमराह ने उन्हें क्लीन एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। बुमराह ने स्मिथ को गोल्डन डक पर आउट किया और टेस्ट प्रारुप में ऐसा करते हुए उन्होंने इतिहास रच दिया। वहीं स्टीव स्मिथ अपने टेस्ट क्रिकेट करियर में होम ग्राउंड पर पहली बार गोल्डन डक पर आउट हुए।

पर्थ टेस्ट मैच की पहली पारी में जसप्रीत बुमराह की आग उगलती गेंद का सामना करने में कंगारू बल्लेबाजों को भी दिक्कत महसूस हो रही थी। इस क्रम में जब स्मिथ बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए तब वो पहली ही गेंद पर आउट हो गए। बुमराह ने उन्हें क्लीन बोल्ड आउट कर दिया और टेस्ट क्रिकेट में वो स्मिथ को गोल्डन डक पर आउट होने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए। स्मिथ को इससे पहले टेस्ट क्रिकेट में किसी भी भारतीय गेंदबाज ने गोल्डन डक पर आउट नहीं किया था।

स्मिथ का बल्ला पर्थ टेस्ट मैच की पहली पारी में भारत के खिलाफ नहीं चला और वो शून्य के स्कोर पर चलते बने। टेस्ट क्रिकेट में ऐसा दूसरी बार हुआ जब स्मिथ गोल्डन डक पर अपना विकेट गंवा बैठे। स्मिथ ने पहली बार साल 2014 में गोल्डन डक पर टेस्ट में अपना विकेट गंवाया था और उन्हें साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने अपना शिकार बनाया था। अब 10 साल के बाद वो फिर से यानी दूसरी बार टेस्ट में गोल्डन डक पर आउट हुए और भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने गोल्डन डक पर आउट किया।

सहवाग के बेटे आर्यवीर ने खेली तूफानी पारी, प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में मात्र 3 रन से तिहरे शतक से चूके

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के पूर्व बल्लेबाज और धमाकेदार ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने मेघालय के खिलाफ कूच बिहार ट्रॉफी मैच में दोहरा शतक लगाकर सुर्खियों में आ गए हैं। 17 वर्षीय आर्यवीर ने मात्र 3 रन से तीहरे शतक से चूक गए। शिलांग के एमसीए क्रिकेट ग्राउंड पर पहले दिन नाबाद 200 रन की पारी खेलने के बाद उन्होंने दूसरे दिन भी धमाकेदार बल्लेबाजी जारी रखी और मात्र 309 गेंदों पर 96.12 की स्ट्राइक रेट से 297 रन बनाए जिसमें 51 चौके और 3 छक्के शामिल थे। इसे लेकर सहवाग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी शेयर की है।

कूच बिहार ट्रॉफी अंडर 19 खिलाड़ियों के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा आयोजित चार दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट है। बल्लेबाजी करने के बाद मेजबान मेघालय पहली पारी में सिर्फ 260 रन ही बना सका। जवाब में आर्यवीर और अर्नव एस बुग्गा ने पहले विकेट के लिए 180 रन जोड़कर दिल्ली की मजबूत वापसी की नींव रखी। बुग्गा ने दूसरे दिन आउट होने से पहले शतक बनाया लेकिन आर्यवीर दिन के खेल के अंत में बिना आउट हुए ड्रेसिंग रूम में लौट गए। वे सिर्फ 229 गेंदों पर 200 रन बनाकर नाबाद रहे। लेकिन दूसरे दिन वह फिर लौटे और 300 के करीब रन बनाए।

आर्यवीर के अलावा धन्या नाकरा जो पहले दिन 98 रन बनाकर नाबाद रहे थे, उन्होंने 122 गेंदों पर 106.56 की स्ट्राइक रेट और 18 चौकों तथा 3 छक्कों की मदद से 130 रन बनाए। इस साल की शुरुआत में आर्यवीर ने वीनू मांकड़ ट्रॉफी में मणिपुर के खिलाफ दिल्ली के लिए अपना अंडर-19 डेब्यू किया था। उन्होंने 49 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी पहचान बनाई और दिल्ली ने मैच 49 रनों से जीत लिया।

पिछले साल सहवाग ने खुलासा किया था कि उनके बेटे आर्यवीर ने पहले ही आईपीएल अनुबंध पर अपनी नजरें गड़ा दी हैं। सहवाग ने कहा, 'मेरा बेटा 15 साल का है और आईपीएल में खेलने का मौका पाने के लिए पहले से ही कड़ी मेहनत कर रहा है। आईपीएल ने युवा प्रतिभाओं को सबसे ज्यादा फायदा पहुंचाया है। पहले रणजी ट्रॉफी के प्रदर्शन से कोई ध्यान नहीं खींचता था और इसलिए भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाता था। लेकिन अब अगर आप आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करते हैं और अपनी प्रतिभा दिखाते हैं तो आपको तुरंत भारतीय टीम में खेलने का मौका मिलता है। आईपीएल की वजह से देश के छोटे राज्यों के कई बच्चे क्रिकेट को गंभीरता से लेने लगे हैं और आईपीएल में हिस्सा लेने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं और इसके लिए कड़ी मेहनत करते हैं।'

आईपीएल नीलामी कार्यक्रम से पोंटिंग और लैंगर की मुश्किलें बढ़ीं

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि आईपीएल 2025 मेगा नीलामी के लिए रखे कार्यक्रम के कारण उन्हें और जस्टिन लैंगर को परेशानी होगी। पोंटिंग लौर लैंगर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए कमेंट्री टीम में शामिल हैं। पोंटिंग ने कहा कि नीलामी का कार्यक्रम 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में रखा गया है। इस कारण उन्हें पहले टेस्ट मैच को बीच में ही छोड़कर जाना होगा। पोंटिंग और लैंगर आईपीएल फ्रेंचाइजी से कोच के तौर पर जुड़े हैं। जेद्दा में होने वाली नीलामी में पोंटिंग बतौर पंजाब किंग्स कोच, लैंगर लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच के रूप में मौजूद रहेंगे। पोंटिंग और लैंगर पर्थ टेस्ट के पहले दिन ही कमेंट्री करते हुए नजर आएंगे, इसके बाद इन्हें जाना होगा। पोंटिंग ने कहा कि, ये मेरे और लैंगर के लिए कठिन स्थिति है। हम पिछले कुछ महीनों से सोच रहे थे कि शायद टेस्ट मैच और नीलामी में अंतर होगा। इससे दोनों टीमों के खिलाड़ियों पर से दबाव हट जाएगा पर ऐसा नहीं हुआ।

अब बीबीएल में सिडनी थंडर की कप्तानी करते दिखेंगे वॉर्नर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर अब घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) 2024-25 लीग में सिडनी थंडर की कप्तानी करते हुए नजर आयेंगे। वॉर्नर को साल 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में गेंद से छेड़छाड़ को लेकर आजीवन कप्तानी के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। उस समय वह टीम के उपकप्तान थे। इसके बाद वार्नर टीम में वापसी करने में सफल हुए पर उनका करियार अधिक नहीं चल पाया। वॉर्नर ने कुछ समय पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इस क्रिकेटर ने कप्तानी पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ अपील की थी। जिसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के आचार संहिता आयोग ने उन पर लगे प्रतिबंध को समाप्त कर दिया। समीक्षा पैनल ने कहा, 'वार्नर जवाबों के सम्मानजनक तथा पश्चाताप भरे लहजे ने समीक्षा पैनल को प्रभावित किया और उन्हें अपने आचरण के लिए अत्यधिक पश्चाताप है। इसके बाद उन्हें सिडनी थंडर का कप्तान बनाये जाने की घोषणा की गई। वहीं सिडनी थंडर का कप्तान बनाए जाने पर उत्साहित वॉर्नर ने कहा, 'एक बार फिर सिडनी थंडर की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं शुरुआत से ही इस टीम का हिस्सा रहा हूं। अब अपने नाम के आगे 'सी के साथ वापस आना बहुत अच्छा लग रहा है। वार्नर ने इससे पहले 2011 में एक बार थंडर का नेतृत्व किया था।

निशानेबाजी में जो प्रतिभा है, वह अन्य खेलों में नहीं है: अभिनव बिंद्रा

पटना (एजेंसी)। गुड़गांव-बीजिंग ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने कहा कि पिछले एक दशक में देश में निशानेबाजी में काफी विकास हुआ है जिससे अब इस खेल में प्रतिभा की गहराई है। मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर भारतीय निशानेबाजों की अगुआई की।

बिंद्रा ने शुक्रवार को आर्टेमिस अस्पताल में कहा, 'निशानेबाजी के खेल में जो प्रतिभा है, वह इस देश के किसी अन्य खेल में नहीं है। राष्ट्रीय स्तर और विश्व स्तर पर बहुत से निशानेबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि पिछले एक दशक में इस खेल ने कितनी प्रगति की है।'

पेरिस खेलों में भारतीय निशानेबाजों की उपलब्धि ने ओलंपिक में 12 साल के सूखे को भी समाप्त कर दिया जिसमें मनु, सरबजोत सिंह और स्वप्निल कुसाले ने तीन कांस्य पदक हासिल किए। बिंद्रा ने कहा, 'कुछ समय के लिए ऐसा भी समय रहा जब दो ओलंपिक में हम कोई पदक नहीं जीत पाए। लेकिन यह खेल का एक अभिन्न हिस्सा है। एथलीटों ने बहुत कुछ सीखा है, महासंघ ने बहुत कुछ सीखा है जिसके परिणामस्वरूप पेरिस में अच्छे परिणाम मिले।' 42 वर्षीय बिंद्रा ने कहा कि भविष्य के ओलंपिक खेलों में इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने के लिए रणनीतिक योजना और बारिकियों पर ध्यान बरकरार रहेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह लय जारी रहेगी और रणनीतिक योजना जारी रहेगी। छोटी-छोटी चीजें बहुत मायने रखती हैं, उनका ध्यान रखना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि देश निशानेबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता रहेगा।' 2026 राष्ट्रमंडल खेलों ने निशानेबाजी, हॉकी, क्रिकेट और कुश्ती को अपने कार्यक्रम से हटा दिया है जो ग्लास्गो में भारत की पदक संभावनाओं के लिए बड़ा झटका है। बिंद्रा ने कहा कि यह स्थायी नहीं है और उन्हें उम्मीद है कि भविष्य में निशानेबाजी की वापसी होगी।

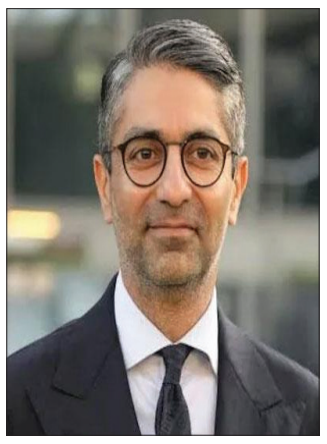

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अजहर अली को नियुक्त किया युवा विकास प्रमुख

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अजहर अली को भर्ती प्रक्रिया के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के युवा विकास प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया है। पीसीबी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'यह भूमिका अजहर की मौजूदा जिम्मेदारियों का विस्तार होगी क्योंकि वह पुरुषों की राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य के रूप में भी काम करते हैं।' पाकिस्तान क्रिकेट में एक प्रमुख व्यक्ति अजहर ने सीनियर राष्ट्रीय टीम में आगे बढ़ने से पहले 2002 में आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में अपना करियर शुरू किया। 2010 और 2022 के बीच उन्होंने 97 टेस्ट और 53 वनडे खेले जिसमें 9 टेस्ट और 31 वनडे में पाकिस्तान की कप्तानी की। वह 2017 में पाकिस्तान की ऐतिहासिक आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के भी अहम सदस्य थे। युवा विकास के प्रमुख के तौर पर अजहर को व्यापक युवा क्रिकेट रणनीतियों को डिजाइन और लागू करके, मजबूत जमीनी स्तर पर क्रिकेट संरचना और प्रतिभा मार्ग स्थापित करके, आयु-समूह कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए क्षेत्रीय क्रिकेट संघों के साथ सहयोग करके, पीसीबी के पाथवे कार्यक्रम के तहत उभरते क्रिकेटरों को शिक्षित करके और महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों के लिए मैदान के बाहर विकास की अनिवार्यताओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सेमिनार और क्लीनिक आयोजित करके पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य को आकार देने का काम सौंपा गया है। अजहर ने एक बयान में कहा, 'मैं इस महत्वपूर्ण भूमिका को निभाने के लिए सम्मानित और उत्साहित हूं। आयु-समूह रैंकों में आगे बढ़ने और व्यापक क्लब और घरेलू क्रिकेट खेलने के बाद मैं भविष्य के सितारों को आकार देने में जमीनी स्तर के विकास की महत्वपूर्ण भूमिका को समझता हूं। इस क्षेत्र में पहले से ही महत्वपूर्ण प्रगति की गई है और मैं अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हमारे युवा विकास कार्यक्रम को और आगे बढ़ाने के लिए काम करने के लिए उत्सुक हूं। हमारा लक्ष्य होनहार प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें उच्चतम स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उपकरणों से लैस करना है।'

आईपीएल 2025 की तारीख आई सामने, जानें कब से शुरू होगा टी20 का महामुकाबला

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अगला सत्र 14 मार्च 2025 से शुरु होगा और फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाएगा। फ्रेंचाइजी को भेजे गए ईमेल में आईपीएल के तीन सत्रों के लिए घोषित तारीखों के बारे में बताया गया है।

घोषणा के अनुसार टूर्नामेंट का अगला सत्र 14 मार्च 2025 से शुरू होगा और फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाएगा। वहीं 2026 का सत्र 15 मार्च से 31 मई तक चलेगा। जबकि 2027 का सत्र 14 मार्च से 30 मई तक होगा। घोषणा के अनुसार पिछले सत्र की तरह 2025 सत्र में 74 मैच होंगे। हालांकि यह संख्या आईपीएल द्वारा 2022 में सूचीबद्ध 84 मैचों से 10 कम है।

नए चक्र के लिए टेंडर दस्तावेज में आईपीएल ने हर सत्र में मैचों की अलग-अलग संख्या का वर्णन किया है। 2023 और 2024 में 74 मैच जबकि 2025 और 2026 में 84 और इस अनुबंध के अंतिम वर्ष यानी 2027 में 94 मैच खेले जाने का जिक्र था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने सभी खिलाड़ियों अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों को 2025 सत्र में खेलने की मंजूरी दे दी है।

इसके अलावा अधिकतर पूर्ण सदस्य देश इंग्लैंड, श्रीलंका बंगलादेश, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के क्रिकेट बोडर ने अपने खिलाड़ियों को अगले तीन सत्र के लिए आईपीएल में खेलने की अनुमति दे दी है। इसमें पाकिस्तान शामिल नहीं है, जिनके खिलाड़ियों को 2011 के बाद से ही आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिला है।

हॉकी पुरुष जूनियर एशिया कप 26 नवंबर से, पांचवें खिताब के लिए भारतीय टीम मस्कट रवाना

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम 26 नवंबर से 4 दिसंबर तक ओमान के मस्कट में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 के लिए शुक्रवार को बेंगलुरु से रवाना हुई। भारत ने 2023, 2015, 2008 और 2004 सहित रिकॉर्ड चार बार टूर्नामेंट जीता है। उन्होंने पिछले साल फाइनल में प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हराकर खिताब जीता था।

इस बार इस आयोजन में 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं, भारत को कोरिया, जापान, चीनी ताइपे और थाईलैंड के साथ पूल ए में रखा गया है। जबकि पूल बी में शेष पांच टीमें पाकिस्तान, मलेशिया, बांग्लादेश, ओमान और चीन हैं। कप्तान आमिर अली और उप-कप्तान रोहित की अगुआई में भारत 27 नवंबर को थाईलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, इसके बाद 28 नवंबर को जापान के खिलाफ मैच होगा।

30 नवंबर को चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबला होना है और 1 दिसंबर को कोरिया के खिलाफ उनका आखिरी ग्रुप स्टेज मैच होना है। भारतीय टीम को 3 दिसंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष दो में जगह सुनिश्चित करनी होगी। सुल्तान जोहोर कप 2024 में तीसरे स्थान पर रहने के बाद भारत अपनी लय को बरकरार रखते हुए ओमान में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 में मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा।

कप्तान आमिर अली ने कहा, 'भारतीय जूनियर हॉकी टीम के कप्तान के रूप में मैं पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 के लिए बेहद उत्साहित हूं। हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं और आगे आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। हम सभी इस टूर्नामेंट के महत्व और बड़े मंच पर अपने कौशल का प्रदर्शन करने के अवसर को समझते हैं। हमारा ध्यान पहले मैच से ही अपना सर्वश्रेष्ठ देने और फाइनल में जगह बनाने के लिए एक मजबूत स्थिति हासिल करने पर है।'

उप-कप्तान रोहित ने कहा, 'हम सभी पुरुष जूनियर एशिया कप में अपना अभियान शुरू करने के लिए बहुत प्रेरित और उत्सुक महसूस कर रहे हैं। शिविर में ऊर्जा शानदार है और खिलाड़ियों में एकता की भावना मजबूत है। सुल्तान ऑफ जोहोर कप में हमारे हालिया प्रदर्शन ने हमें आत्मविश्वास दिया है और हम उस गति को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम कड़ी मेहनत करने, अनुशासित रहने और हर मैच में अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ हैं।'

शमी ने मांजरेकर को करारा जवाब दिया

नई दिल्ली। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर की उस बयान के लिए कड़ी आलोचना की है। जिसमें मांजरेकर ने कहा है कि फिटनेस सही नहीं होने के कारण आईपीएल 2025 के लिए शमी पर टीमें अधिक रकम लगाने का जोखिम नहीं उठाएंगी। शमी ने कहा कि मांजरेकर कमेंटटर का काम कर रहे हैं पर उन्हें इस प्रकार की आधारहीन बातें नहीं करनी चाहिये। आईपीएल में 2013 में पदार्पण के बाद से शमी ने 110 मैचों में 127 विकेट लिए हैं। उन्होंने टखने की चोट के कारण सर्जरी के बाद करीब एक साल में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में हाल ही में वापसी की है। शमी को इस बार मेगा नीलामी से पहले गुजरात टाइटंस ने रिलीज कर दिया। नीलामी में उनका बेस प्राइज दो करोड़ रूपए है। शमी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ' थोड़ा सा ज्ञान अपने भविष्य के लिए भी बचा लो, काम आएगा मांजरेकर जी। साथ ही तंज कसा कि किसी को भविष्य जानना हो तो इनसे मिलें। मांजरेकर ने कहा था कि शमी के लिये कई टीमें बोली लगा सकती है लेकिन उन्हें नहीं लगता कि टीमों के बीच उनके लिये होड़ होगी। उन्होंने कहा था, 'टीमों की उनमें रुचि होगी लेकिन चोटों के उनके इतिहास को देखते हुए सत्र के बीच में बाहर होने की आशंका रहती है इसलिए टीमें जोखिम नहीं लेना चाहेंगे क्योंकि अगर शमी बीच में बाहर होते हैं तो उनका पैसा फंस जाएगा। इसलिए उनकी कीमत घट सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चने की

वेज्ञानिक तकनिकी से खेती

1शीशपाल चौधरी, डॉ.बीएलदुधवाल एवं महेन्द्र चौधरी व विद्यावाचस्पति शोध छात्र, शस्य विज्ञान विभाग, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर - 303329 सहायक आचार्य, शस्य विज्ञान विभाग, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर- 303329

चने की खेती अधिकतर बारानी क्षेत्रो में की जाती हैं। इसकी खेती हल्की व भारी दोनो प्रकार की भूमि में की जा सकती हैं। पेटा काश्त भूमि में चना उगाना अन्य फसलो की अपेक्षा अधिक लाभप्रद रहता हैं। मध्यम व भारी मिट्टी के खतों में गर्मी के दिनो में एक दो जुताई करनी चाहिये। वर्षा प्रारम्भ होते ही डोलो की अच्छे से मरम्मत करनी चाहिये जिससे वर्षा का पानी अधिक से अधिक खेत में समान रूप से समा सके। जहां खेत में खरपतवार हो वाहॅ दो बार जुताई करना लाभकारी होता हैं। चने के दानों में 21 प्रतिशत प्रोटीन होता हैं तथा इसकी पत्तियों में मेलिक व ऑक्जेलिक अम्ल होता हैं। चने की हरी पत्तियो और दानो का प्रयोग सब्जियों के रूप में किया जाता हैं।

वर्गीकरण: साइसर वंश की दो जातियॉ

साइसर ऐरेटिनम- यह देशी चना कहलाता हैं। इसके पौधे छोटे होते है इसमें गुणसूत्रो की सख्या 2दत्र14 होती हैं।

साइसर काबुलियम- यह काबुली चना कहलाता हैं। इसके दाने सफेद व बडे होते हैं। इसके पौधे बडे व सीधे होते हैं। इसमें गुणसुत्रो की सख्या 2दत्र16 होती हैं।

खेत की तैयारी: चना ढेलों वाली दशा में अच्छा होता हैं क्योकि ढेलों वाली अवस्ता पर भूमि में वायु संचार अच्छा रहता हैं। बारानी क्षेत्रों में मानसून पूर्व एक गहरी जुताई करना आवश्यक होता हैं। जिससे वर्षा का जल खेत में अवशोषित हो सके।

बुवाई का समय: चने की बुवाई का सही समय 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर हैं एवं पिछैती बुवाई 15 नवम्बर से 15 दिसम्बर तक कर सकते हैं।

बीज की मात्रा एवं बुवाई: चने की बुवाई हेतु 70-80 किग्रा.उपचारित बीज प्रति हैक्टर के लिए पर्याप्त है। काबुली चने की बीज दर 80-90 किग्रा.प्रति हेक्टर रखे। चने की बुवाई 30 सेमी.दूर कतारों में करनी चाहिए। सिंचित क्षेत्रों में बीज की गहराई 5-7 सेमी.व असिंचित क्षेत्रो में नमी अनुसार 7-10 सेमी.गहराई पर करनी चाहिए।

उन्नत किस्में:

आएस.जी.895: असिंचित एवं सिंचित क्षेत्रों हेतु चने की प्रथम सफेद फूल एवं फलियां साथ लगने वाली प्रजाति हैं फसल 130-135 दिनो में पककर तैयार हो जाती हैं। इसमें सुत्रकृमि प्रतिरोधी क्षमता होती हैं। इसके 100 दानों का वनज 18-20 ग्राम होता हैं।

आएसज़ी.973 ;आभाद्ध: चने की अधिक शुष्क सहन क्षमता की बारानी क्षेत्रों हेतु विकसित प्रजाति मध्यम उंचाई के अर्ध उर्ध्व पौधे जिनकी तनो पर फलिया कम दूरी पर अधिक संख्या में लगती हैं इसके पकने की अवधि 125 से 130 दिन हैं। असिंचित क्षेत्रो में 15 से 20 किवंटल प्रति हैक्टर उपज देती हैं। फली छेदक कीटों के प्रकोप से अपेक्षाकृत कम प्रभावित होती हैं तथा 100 दानों का वनज 18-20 ग्राम होता हैं।

सी.235: यह किस्म 140-160 दिन में पककर 15 से 20 किवंटल प्रति हैक्टर उपज देती हैं। इसके दाने मध्यम व कत्थई रंग के होते हैं। पौधा मध्यम उॅचाई व झाडीनुमा वृद्धि

पेटा काश्त भूमि में चना उगाना अन्य फसलो की अपेक्षा अधिक लाभप्रद रहता हैं। मध्यम व भारी मिट्टी के खतों में गर्मी के दिनो में एक दो जुताई करनी चाहिये। वर्षा प्रारम्भ होते ही डोलो की अच्छे से मरम्मत करनी चाहिये जिससे वर्षा का पानी अधिक से अधिक खेत में समान रूप से समा सके। जहां खेत में खरपतवार हो वाहॅ दो बार जुताई करना लाभकारी होता हैं।

क्विंटल प्रति हैक्टर पैदावार देती हैं।

आरएसज़ी. 2: यह किस्म अगेती बुवाई व असिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हैं। यह 130-135 दिनो में पककर 9-12 क्विंटल प्रति हैक्टर पैदावार देती हैं।

आरएसज़ी.888: यह किस्म 147 दिन में पककर तैयार हो जाती हैं तथा इसकी पैदावार 11-34 क्विंटल प्रति हैक्टर हैं। यह किस्म विल्ट के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है।

बीज़ी.209: इस किस्म के पैधे अर्द्व विस्तारी, पत्तिया संकरी, हरे रंग की है। 100 दानो का वजन 12 ग्राम एवं विल्ट रोग के प्रति सहनसिल व सूखा रोधी है।

अर्पण:
चने की क्षारीय भूमी हेतु विकसित प्रथम प्रादेशिक प्रजाति अर्पण के पौधे मध्यम उंचाई के अर्ध सीधे जिनकी शाखओं पर क्रमशः दो पक्तियां लगती है। फसल 125- 130 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टयर है। उक्ठा, जड गलन रोग प्रतिरोधी एवं फली छेदक कीटों से अपेक्षाकृत कम प्रभावित होती है।

खाद एवं उर्वरक: मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरक प्रयोग करना चाहिए । असिंचित क्षेत्र में बुवाई पूर्व 10 किग्रा. नाइट्रोजन एवं 25 किग्रा. फॉस्फेट प्रति हैक्टर उर कर देवें। सिंचित क्षेत्र में बुवाई पूर्व 20 किग्रा.नाइट्रोजन तथ 40 किग्रा. फॉस्फेट प्रति हैक्टर की दर से उर कर देना चाहिये।

सिंचाई: चने की खेती अधिकांश क्षेत्रों में बारानी अवस्थाओ में की जाती है। सिंचित खेत्रों में मृदा व वर्षा को ध्यान में रखते हुए पहली सिंचाई बुवाई के 40-45 दिन बाद फूल आने के पहले तथा दूसरी सिंचाई फली आने पर करनी चाहिए।

निडाई-गुडाई एवं खरपतवार नियंत्रण: चने की फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु प्रथम निडाई-गुडाई बुवाई के 25-35 दिनो पर करें। पैण्डीमिथिलीन 30 ईसी. 600 ग्राम खरपतवारनाशी को 600 लीटर पानी प्रति हैक्टर की दर से बुवाई के बाद तथा बीज उगने से पूर्व एक समान छिडकाव करना चाहिये।

पौधे की चुटाई: चने के पौधे जब 20 सेमी.उॅचे हो जाये तो उनकी शीर्ष शाखाएॅ अधिक निकलती है तथा फूल व फल अधिक लगते हे। इससे पैदावार में वृद्वि होती है।

फसल संरक्षण:

फली छेदक: फली छेदक की सुण्डियॉ प्रारम्भ में पौधो की पत्तियॉ खाती है और फलियॉ लगने पर उनमें छेद कर दाना खा जाती है। इनकी रोकथाम के लिए निम्न उपाय करें -

1. नीम की पत्ती के रस या निम्बोली के 10 प्रतिशत घोल का 20, 40, फूल आने व 60 दिन पर छिडकाव करें। या
2. एनपीव्ही. 250 एलई. का 750 मिली. प्रति हैक्टर छिडकाव करें। या
3. 20 दिन की फसल पर मेलाथियान 5 प्रतिशत चूर्ण 20-25 किग्रा.प्रति हैक्टयर भुरकाव करें।

कटवर्म, दीमक एवं वायरवर्म: इन कीटों की रोकथाम हेतु क्यूनालफॉस 15 प्रति चूर्ण 25 किलोग्राम हैक्टर की दर से आखिरी जुताई से पूर्व भुरकें।

झुलसा रोग: झुलसा रोग के लक्षण दिखाई देते ही 02 प्रतिशत मैन्कोजेब या 03 प्रतिशत कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल का छिडकाव करना चाहिए। आवश्कतानुसार छिडकाव 10 दिन के अन्तराल पर दोहरायें।

उखटा रोग: इस रोग के कारण खेत में पर्याप्त नमी होने के बावजूद पौधे की पत्तियॉ एकाएक पीली पडने लगती हैं तथा बाद में पूरा पौधा सूख जाता है। इस रोग की रोकथाम हेतु उचित फसल चक्र अपनाये तथा रोग रोधी किस्में काम में ले।

उपज: असिंचित क्षेत्रो में 8-12 क्विंटल व सिंचित क्षेत्रो में 15-20 क्विंटल उपज प्रति हैक्टयर प्राप्त की जा सकती है।

भण्डारण: भण्डारण पूर्व चने के दानो को धूप मे सूखा लेते है जिससे दानों मे नमी 10-12 प्रतिशत तक आ जाये । भण्डारण में कीट रोकथाम हेतु उचित कीटनाशी का प्रयोग करें।

मसूर की उन्नत खेती

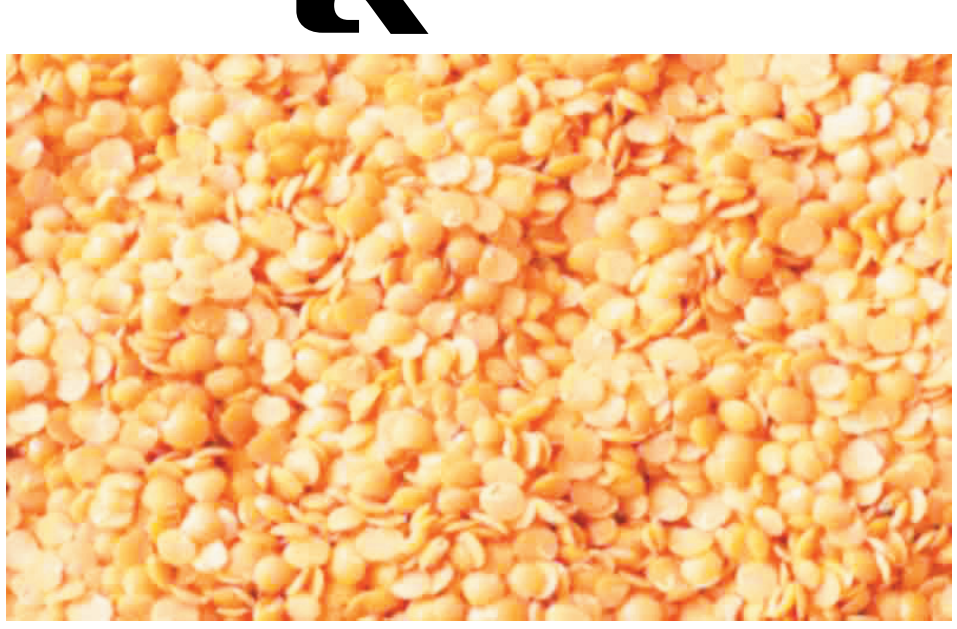

शीशपाल चौधरी, महेन्द्र चौधरी एवं बाबू लाल विद्यावाचस्पति शोध छात्र, शस्य विज्ञान विभाग, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर

खेत का चुनाव एवं तैयारी:- मसूर की खेती सभी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती हैं। लेकिन दोमट मिट्टी इसके लिए सबसे उत्तम मानी जाती हैं। खेत को 2-3 बार देशी हल अथवा कल्टीवेटर से जुताई कर मिट्टी को भूरभूरी बना देते हैं।

उन्नत किस्मे

पंत के 639:- यह किस्म 135-140 दिन में तैयार हो जाती हैं। जड सडन एवं उकटा रोग के लिए प्रतिरोधी मानी जाती हैं।

पीएल 406:- यह किस्म 140-145 दिन में तैयार हो जाती हैं। इसमें रस्ट एवं विल्ट रोग लडने की क्षमता हैं।

पीएल 77-12:- यह किस्म 115-120 दिन में परिपक्व हो जाती हैं। इसमें रस्ट एवं उकटा रोग से लडने की क्षमता हैं।

मल्लिक:- यह प्रजाती 130-135 दिन में तैयार हो जाती हैं। उकठा रोग के लिए यह प्रतिरोधी हैं।

केएलएस 218:- यह किस्म 120-150 दिन में तेयार हो जाती हैं।

बुवाई का उचित समय:-मसूर की उन्नत किस्मो की बुवाई 15 अक्टूबर से 25 नवम्बर तक कर देनी चाहिए।

बीज की मात्रा एवं बुवाई की विधि:-छोटे दानो वाली किस्मो के लिए एक हेक्टर क्षेत्रफल में बुवाई कें लिए 35-40 किलोग्राम बीज की जरूरत पडती हैं। जबकि बडे दानो वाली किस्मो के लिए 50-55 किलोग्राम बीज कि आवश्यकता होती हैं। बुवाई के समय किस्मो के आधार पर कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी क्रमशः 25 सेमी.एवं 10 सेमी.रखनी चाहिए।

बीजोपचार:-प्रारम्भिक अवस्था के रोगों बचाने के लिए बुवाई से पहले मसूर के बीजो को सही उपचार करना जरूरी होता हैं। इसके लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी 5 ग्राम प्रति किलो बीज या कार्बेण्डाजिन 20 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए । बीजोपचार में सबसे पहले कवकनाशी तत्पश्चात कीटनाशी एवं सबसे बाद में राइजोबियम कल्चर से उपचारित करने का क्रम अनिवार्य होता है । जिन क्षेत्रा में कटुआ का प्रकोप मसूर के खेत में बढ जाता हैं। यहॉ बीज को क्लोरोपाइरीफॉस 20 ईसी से 6-8 मिली प्रति किलोग्राम बीज उपचार करना चाहिए।

उर्वरको का प्रयोग:- मिट्टी परीक्षण के आधार पर ही उर्वरको का प्रयोग आवश्यकतानुसार करना चाहिए। सामान्य परिस्थिति मे 20 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टर उपयोग करना चाहिए। जिन क्षेत्रा में जिंक एवं बोरोन की कमी पाई जाती हैं। उन खेतो में 25-30 किलोग्राम जिंक सल्फेट एवं 10 किलोग्राम बोरेकस पाउडर प्रति हेक्टर की दर से बुवाइ्र के समय प्रयोग करना चाहिए।

सिंचाई:- जिन खेतो में नमी की कम पाई जाती है। वहा एक सिंचाई बुवाई के 45 दिन बाद लाभकारी होती हैं। पानी का जमाव नही होना चाहिए। इससे फसल प्रभावति हो जाती हैं।

खरपतवार नियंत्रण:- मसूर के खेत में प्राय: मोथा, दूब, बथुआ एवं बनगाजर आदि खरपतवार का प्रकोप ज्यादा होता हैं। इसके नियंत्रण के लिए 2 लीटर फलूक्लोरिन को 600-700 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जूताई के बाद छिटकर मिला दे अथवा पेण्डीमेथालीन 1 किलोग्राम को 1000 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के 48 घंट के अन्दर छिडकाव करना चाहिए।

फसल सुरक्षा प्रबंधन:

रोग प्रबंधन:- मसूर के प्रमुख रोग उकठा, ब्लाइट एवं विल्ट है। इससे बचाने के लिए फसलों में मेंकोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें।

कीट प्रबंधन:- मसूर की फसल में कटवर्म, सूडी एवं एफिड कीटो का प्रकोप होता है। इन कीटो की रोकथाम के लिए बुवाई के 25-30 दिन बाद एजेडिरेक्टीन, नीम तेल 003 प्रतिशत प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मध्य प्रदेश सहित छह राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी

-कानपुर-गोरखपुर में विजिबिलिटी 500 मीटर रही

नई दिल्ली। उत्तर भारत के राज्यों में ठंड और घने कोहरे का असर बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, राजस्थान में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। घने कोहरे के कारण उत्तर प्रदेश के गोरखपुर और कानपुर में विजिबिलिटी घटकर 500 मीटर रह गई। राजस्थान के हिल स्टेशन माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश में भी ठंड का असर कम नहीं हो रहा है। यहां के आठ शहरों में टेम्प्रेचर 10 डिग्री से कम रिकॉर्ड किया गया। भोपाल में तापमान 10.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यह पिछले 10 साल में नवंबर का तीसरा सबसे कम तापमान है। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी थमी, लेकिन तापमान माइनस में पहुंच चुका है। श्रीनगर में तापमान 0.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। शोपियां गुरुवार को देश का सबसे ठंडा जिला रहा। यहां तापमान माइनस 3.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। वहीं, अनंतनाग में माइनस 3.5 डिग्री, पुलवामा में माइनस 3.4 डिग्री पहुंच गया था। मौसम विभाग ने बताय कि नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में तेज बारिश का दौर जारी रहेगा। शुक्रवार को असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बिजली गिरने के साथ तेज हवा और तेज बारिश का अनुमान है। दक्षिण भारत के राज्यों में ठंड का असर उत्तर भारत के राज्यों से कम है। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल में एक हफ्ते से तेज बारिश का दौर चल रहा था। अब 25 नवंबर से दक्षिण भारत के राज्यों में बारिश हो सकती है।

वाराणसी में धुंध का असर : छह फ्लाइट लेट, 12 ट्रेनें देरी से पहुंचीं

वाराणसी । वाराणसी में ठंड के साथ धुंध भी बढ़ने लगी है। यहां 2 दिन से सुबह से सूरज चढ़ने तक हल्की धुंध दिखाई दे रही है। दिन का तापमान सामान्य से 2.4 डिग्री कम हो गया है। इससे ठंड का एहसास बढ़ा है। पछुआ हवा के रात में चलने से शहरी क्षेत्र के लोग भी ठंड महसूस करने लगे हैं। वाराणसी में ठंड बढ़ने के साथ-साथ शहर की हवा भी खतरनाक होने लगी। वाराणसी के अर्दली बाजार में रात 1 बजे एक्यूआई 168, भेलूपुर में 156, बीएचयू में 130, मलदहिया में 134, नगर निगम में 162 दर्ज किया गया है। एक्यूआई एक तरह का थर्मामीटर है। बस ये तापमान की जगह प्रदूषण मापने का काम करता है। इस पैमाने के जरिए हवा में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड, ओजोन, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, पीएम 2.5 (पार्टिकुलेट मैटर) और पीएम 10 पोल्यूटेंट्स की मात्रा चेक की जाती है और उसे शून्य से लेकर 500 तक रीडिंग में दर्शाया जाता है। बता दें कि 0 से 50 के बीच में एयर क्वालिटी इंडेक्स अच्छा माना जाता है। वहीं, 51 से 100 के बीच मॉडरेट यानी सामान्य, 101 से 200 के बीच खराब, 201 से 300 के बीच अनहेल्दी, 301 से 400 के बीच सर्वर और 401 से 500 के बीच खतरा, यानी यह डेंजर जोन में आता है।

मणिपुर में विधायक सुसींद्रो ने अपने घर को कंटीले तारों और लोहे के जाल से घेरा

इंफाल। मणिपुर में हालिया हुई हिंसा के कारण तनाव चरम पर है। 16 नवंबर को मुख्यमंत्री बीरेन सिंह और 17 विधायकों के घर हमले हुए थे। हिंसक भीड़ ने राज्य के मंत्री एल सुसींद्रो के घर को भी निशाना बनाया गया था। अब सुसींद्रो ने मणिपुर ईस्ट स्थित अपने घर को कंटीले तारों और लोहे के जाल से घेर लिया है। सुसींद्रो ने कहा कि संपत्ति की रक्षा करना हमारा संवैधानिक हक है। अगर भीड़ ने फिर हमला किया, तब इसका जवाब दिया जाएगा। सुसींद्रो काफी चर्चा में रहते हैं। जब मणिपुर में हथियार लूटे जा रहे थे, तब उन्होंने घर में हथियार ड्रॉप बॉक्स बनाया था, ताकि लोग हथियार जमा कर दें। सुसींद्रो, मैतेई समुदाय से आते हैं। मई से यह तीसरी बार है, जब मेरी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। इस बार करीब 3 हजार लोग घर के बाहर जुट गए। उन्होंने घर को नुकसान पहुंचाया, फायरिंग की गई। हालांकि, उन्होंने तितर-बितर करने के लिए उन्होंने हवाई फायर किए। विधायकों के घरों पर हमले के दौरान 1.5 करोड़ रुपए के जेवर लूटने का खुलासा हुआ है। जेडीयू विधायक के. जॉयकिशन सिंह की मां ने पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। तोड़फोड़ करने वाली भीड़ ने विधायक के आवास से 18 लाख रुपए नकद भी लूट लिए। विस्थापितों के लिए रखे कई सामान भी नष्ट कर दिए।

मरीज को मृत घोषित कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट दी और 4 घंटे डीप फीजर में रखा, फिर शख्स जिंदा हो गया, 3 डॉक्टर निलंबित

झुंझुनू। राजस्थान के झुंझुनू में एक ऐसा मामला सामने आया है जिस पर कोई भी यकीन नहीं कर सकता है। इसके पीछे की कहानी तो सामने नहीं आई लेकिन जांच और तथ्य हैरानी में जरुर डालते हैं। दरअसल, एक दिव्यांग युवक को यहां के अस्पताल में भर्ती किया गया फिर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। करीब चार घंटे तक उसे डीप फ्रीजर में रखा। और तो और डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी दे दी। लेकिन जब इस युवक को अंतिम संस्कार के लिए शमशान ले जाया गया तो वो जिंदा निकला। इस मामले में लापरवाही पर तीन डॉक्टरों को निलंबित कर दिया गया है।जिला कलक्टर की रिपोर्ट के बाद तीन डॉक्टरों पर कार्रवाई की गई है। बीडीके अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप पचार, डॉ. योगेश जाखड़ और डॉ. नवनीत मील को सस्पेंड किया गया है। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त शासन सचिव की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं। निलंबन काल में डॉ. संदीप पचार का मुख्यालय सीएमएचओ ऑफिस जैसलमेर, डॉ. योगेश जाखड़ का मुख्यालय सीएमएचओ ऑफिस बाड़मेर जैसे सरहदी इलाकों में सजा के रूप में किया गया है, जबकि डॉ. नवनीत मील का निलंबन काल के दौरान मुख्यालय सीएमएचओ ऑफिस जालोर रहेगा। बीडीके अस्पताल के पीएमओ सहित तीनों डॉक्टरों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई है। झुंझुनू के बग्गड़ में रोहिताश नाम का एक दिव्यांग और मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति मां सेवा संस्थान में रह रहा था। गुरुवार की सुबह बेहोशी की हालत में उसे इलाज के लिए सरकारी बीडीके अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया था, जहां डॉक्टर ने रोहिताश को मृत घोषित मृत घोषित कर दिया।

समुद्री आवाजाही के लिए निष्पक्ष नियमावली के पक्ष में भारत: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने समुद्री आवाजाही के लिए जरूरी नियमावली बनाने से जुड़ी चर्चाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत एक ऐसी नियमावली के पक्ष में है जो पक्षपात रहित और तर्कसंगत अधिकारों के साथ उन देशों के भी हित में हो जो उक्त चर्चा का हिस्सा नहीं बने हैं। यह अंतरराष्ट्रीय कानून से पूरी तरह से मेल खानी चाहिए। इसमें खासतौर पर 1982 की संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि महत्वपूर्ण है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी संघर्षों और चुनौतियों के बीच बौद्ध धर्म के शांति, अहिंसा और सह-अस्तित्व के सिद्धांत को सभी को स्वीकार करना चाहिए। मौजूदा समय में अलग-अलग खेमों में बटी हुई दुनिया के बीच यह काफी अहम है। दुनिया के कुछ हिस्से में जारी युद्ध और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते चीन के आक्रामक तेवरों के बीच लाओस की राजधानी वियनतियाने में गुरुवार को आसियान और उसके संवाद भागीदारों के रक्षा मंत्रियों की 11वीं बैठक (एडीएमएम-प्लस) का आयोजन किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून की मौजूदगी में कहा कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री आवाजाही की स्वतंत्रता, शांति और समृद्धि के लिए एक नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के पक्ष में खड़ा है। जटिल वैश्विक मुद्दों, सीमा विवादों का समाधान निकालने के लिए हमने हमेशा बातचीत का अभ्यास किया है। उन्होंने कहा कि हमें आपस में जुड़े हुए जलवायु परिवर्तन और सुरक्षा खतरों के बीच गहरी समझ बनाने की आवश्यकता है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एडीएमएम-प्लस की बैठक में भाग लेने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बीते बुधवार से लाओस के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। इसमें उनकी चीन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के अपने समकक्ष रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें हुईं। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा से ही अंतरराष्ट्रीय विवादों का संवाद के जरिए हल निकालने की वकालत की है। सीमा विवाद से लेकर व्यापार समझौतों जैसी वैश्विक चुनौतियों के बीच शांतिपूर्ण ढंग से वार्ता के लिए हमेशा हमारे द्वारा प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गई है। सतत भागीदारी के लिए एक खुली हुई बातचीत विश्वास और समझ को बढ़ावा देती है। वैश्विक मंच पर स्थिरता और समन्वय कायम करने के लिए बातचीत एक ऐसी शक्ति है। जिससे हमेशा प्रभावी और आशा अनुरूप परिणाम प्राप्त हुए हैं। भारत अंतरराष्ट्रीय समस्याओं का उचित और दीर्घकालिक समाधान निकालने में विश्वास रखता है। इसे तभी हासिल किया जा सकता है जब देश एक-दूसरे का सम्मान करते हुए रचनात्मक ढंग से सहयोग के साझा लक्ष्य की दिशा में आपस में जुड़ेंगे।

आसियान का भरोसेमंद भागीदार भारत

उन्होंने कहा कि 21वीं शताब्दी एशिया की है। आसियान क्षेत्र हमेशा से आर्थिक गतिशीलता का केंद्र रहा है। जिसमें व्यापार, वाणिज्य और संस्कृति जैसी गतिविधियां फली-फूली हैं। इस परिवर्तनकारी यात्रा में भारत क्षेत्र का एक भरोसेमंद भागीदार देश रहा है। भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच गहरे और समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। भारत, पूर्व की ओर देखो नीति की दसवीं वर्षगांठ मना रहा है। इसका परिणाम आसियान और हिंद-प्रशांत देशों के साथ हमारे मजबूत संबंधों के रूप में सामने है। दुनियाभर में आती प्राकृतिक आपदाओं को उन्होंने जलवायु परिवर्तन के खतरे के रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि बैठक के बारे जारी साझा बयान में इस खतरे को लेकर रक्षा क्षेत्र में क्षमता को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया है। इसके दुष्प्रभावों से बचाव के लिए नवाचार आधारित समाधान की जरूरत है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन पर एडीएमएम-प्लस रक्षा रणनीति बनाने का आह्वान किया।

राहुल गांधी सही हैं, अदाणी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए : लालू

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने भ्रष्टाचार के आरोपी उद्योगपति गौतम अदाणी की तत्काल गिरफ्तारी की कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मांग का पुरजोर समर्थन किया है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने अमेरिका में अदाणी समूह के खिलाफ रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोपों की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को यहां संवाददाताओं के सवालों के जवाब में यह बात कही। कांग्रेस के पुराने सहयोगी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कट्टर विरोधी प्रसाद ने कहा, राहुल गांधी सही हैं। अदाणी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। राजद अध्यक्ष, जो संयोगवश चारा घोटाले के कई मामलों में दोषी ठहराए जा चुके हैं और जमानत पर हैं। संवाददाताओं ने उनसे झारखंड में विपक्षी इंडिया गठबंधन की संभावनाओं के बारे में भी पूछा। उन्होंने संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा, मैं अपने उस बयान पर ध्यान केंद्रित करना चाहूंगा कि अदाणी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। मैं झारखंड में नयी सरकार के बारे में ज्यादा चिंतित नहीं हूं, जहां हम पहले से ही सत्ता में हैं। झारखंड में इंडिया गठबंधन और भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के बीच सीधा मुकाबला है, जिसमें नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जनता दल (यूनाइटेड) शामिल है, जो लालू प्रसाद के कट्टर प्रतिद्वंद्वी और बिहार के वर्तमान मुख्यमंत्री हैं।

चुनावी नजीतों से पहले हाई अलर्ट में कांग्रेस, झारखंड और महाराष्ट्र के नियुक्ति किये ऑब्जर्वर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव के बाद के घटनाक्रम की निगरानी के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। दिग्गज नेताओं अशोक गहलोत, भूपेश बघेल और डॉ. जी परमेश्वर को महाराष्ट्र में उभरती राजनीतिक स्थिति पर नजर रखने का काम सौंपा गया है। यह तिकड़ी राज्य में सरकार के गठन और गठबंधन की रणनीतियों पर केंद्रीय नेतृत्व को रणनीतिक मार्गदर्शन और रिपोर्ट प्रदान करेगी।

वहीं, वरिष्ठ नेता तारिक अनवर, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री एम भट्टी विक्रमार्क और कांग्रेस के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव कृष्णा अल्लावुरु झारखंड की देखभाल करेंगे। नेता मुंबई और रांची में होंगे और करीबी नतीजे या त्रिशंकु विधानसभा होने की स्थिति में उभरती राजनीतिक स्थितियों से निपटने के लिए रणनीति बनाने में राज्य नेतृत्व की मदद करेंगे। पर्यवेक्षक पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की आंख और कान के रूप में भी कार्य करेंगे।

महाराष्ट्र में, महा विकास अघाड़ी (एमवीए), जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) शामिल हैं, ने यह सुनिश्चित करने का फैसला किया है कि उसके सभी विजेता एक ही छत के नीचे रहें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई अवैध शिकार का प्रयास न हो। करीबी मुकाबले की स्थिति में प्रतिद्वंद्वी महायुति। ऐसी ही चिंताएं झारखंड में भी हैं। दोनों ही राज्यों के नतीजे शनिवार को आएंगे।

एग्जिट पोल्स में महाराष्ट्र सीएम के लिए लोगों की पहली पसंद शिंदे

-उद्धव ठाकरे दूसरे नंबर पर, फडणवीस और अजित पवार सर्वे में पिछड़े

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले एग्जिट पोल्स ने महायुति और महाविकास अघाड़ी में कड़ी टक्कर का अनुमान लगाया है। इनमें से कई एग्जिट पोल्स कह रहे हैं कि बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति को जीत मिलेगी तो तीन एग्जिट पोल्स महाविकास अघाड़ी को जिता रहे हैं। इस बीच एक अन्य एग्जिट पोल ने सीएम की पसंद के बारे में भी बताया है।

सर्वे के मुताबिक जनता ने महाराष्ट्र में सीएम के तौर पर मौजूदा सीएम एकनाथ शिंदे को ही अपनी पहली पसंद बताया है। सर्वे में कहा गया है कि 31 फीसदी लोग एकनाथ शिंदे को दोबारा सीएम देखना चाहते हैं। दूसरे नंबर पर उद्धव ठाकरे हैं। उन्हें 18 फीसदी लोगों की पसंद उद्धव ठाकरे हैं। यह देवेंद्र फडणवीस के लिए झटके की तरह है, जो फिलहाल डिप्टी सीएम हैं और बीजेपी के नंबर वन पार्टी बनने की स्थिति में उन्हें सीएम के तौर पर देखा जा रहा है। देवेंद्र फडणवीस को 12 फीसदी लोगों ने सीएम के तौर पर अपनी पसंद बताया। इसके बाद चौथे नंबर पर शरद पवार आते हैं और 5वें स्थान पर बहुजन अघाड़ी के नेता प्रकाश आंबेडकर हैं। उन्हें 3 फीसदी लोगों ने पसंद किया है।

इस रेटिंग में अजित पवार काफी नीचे हैं, जो कई बार कह चुके हैं कि वह राज्य का सीएम बनना चाहते हैं। वह संयुक्त रूप से छठे नंबर पर हैं। उनके साथ ही नितिन गडकरी और नाना पटोले को भी 2 फीसदी लोगों ने सीएम के तौर पर अपनी पसंद बताया है। यही नहीं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे भी 2 फीसदी लोगों की पसंद हैं। इस बार के चुनाव में राज ठाकरे खुद को किंगमेकर के तौर पर देख रहे हैं।

धीरेंद्र शास्त्री के हिंदू एकता में शामिल हुए दिग्विजय सिंह के बेटे, हिंदुओं में एकता जरूरी

भोपाल। मशहूर कथा वाचक धीरेंद्र शास्त्री इन दिनों हिंदू एकता पदयात्रा निकाल रहे हैं। इस यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के कई बड़े नेता शामिल हो रहे हैं। इस बीच कांग्रेस विधायक और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह भी यात्रा में शामिल हुए हैं। यात्रा में पहुंचकर कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा, हिंदुओं में एकता जरूरी है और यह सनातन धर्म की यात्रा है। हम बागेश्वर धाम का बहुत आदर करते हैं। वे सनातन धर्म के लिए ये यात्रा कर रहे हैं। ये यात्रा किसी दल की नहीं है बल्कि सनातन धर्म के लिए है। हिंदुओं में एकता होनी चाहिए। बता दें कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री 21 नवंबर से हिंदू एकता पदयात्रा निकाल रहे हैं, जो 29 नवंबर तक चलेगी। यह धार्मिक यात्रा छतरपुर के करीब बागेश्वर धाम से शुरू होकर ओरछा तक जाएगी। इन 9 दिनों में बागेश्वर धाम से ओरछा तक 160 किमी की दूरी तय करने वाले है। धीरेंद्र शास्त्री का कहना है कि हिंदुओं को एकजुट करने और सनातन धर्म का प्रचार करने के लिए वे ये पदयात्रा निकाल रहे हैं। यात्रा में बाबा बागेश्वर के साथ हजारों भक्त भी चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि यात्रा में धीरेंद्र शास्त्री हजारों भक्तों के साथ रोजाना 20 किमी पैदल चलने वाले है। जयवर्धन के यात्रा में शामिल होने पर धीरेंद्र शास्त्री का भी बयान आया है। उन्होंने कहा, जयवर्धन सनातन धर्म पर बहुत समर्पित भाव रखते हैं। उनके घर में राघवजी बैठे हैं। उनके घर के चारों कोनो में ठाकुरजी, बालाजी बैठे हैं। जिन्हें हमारा मकसद पता है, उन्हें पता है कि हम इस देश में एकता चाहते हैं। हम किसी पार्टी के वोटबैंक के लिए काम नहीं कर रहे हैं। हम सिर्फ हिन्दुओं को एक करने के लिए निकले हैं।

कांग्रेस हमारी सरकार का हिस्सा नहीं, उमर अब्दुल्ला बोले, कुछ चीजें हम पूरा नहीं कर सकते क्योंकि...

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) का दर्जा कुछ मुद्दों को संबोधित करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक कैदियों को जेलों से मुक्त कराने के लिए उन्हें राज्य का दर्जा चाहिए। उमर अब्दुल्ला ने लोगों को जेलों से मुक्त कराने और विभिन्न चिंताओं पर प्रगति करने में इसके महत्व का हवाला देते हुए, राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पहले दिन से, हम जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा दिलाने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ चीजें हैं जो लोग चाहते हैं और हम इसे पूरा नहीं कर सकते क्योंकि यह एक यूटी है। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रस्ताव को खारिज नहीं किया गया था। यह पारित हो गया। एक दरवाजा खुल गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमारी सरकार का हिस्सा नहीं है, वे हमें बाहर से समर्थन दे रहे हैं। हमारी सरकार यह प्रस्ताव लेकर आई है और बीजेपी के अलावा कांग्रेस समेत ज्यादातर विधायकों ने इसे पारित कर दिया है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी ने कांग्रेस पर निशाना साधा...तो कांग्रेस बेबस हो गई और उन्हें इसे थोड़ा कमजोर करना पड़ा लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उमर अब्दुल्ला ने किश्तवाड़ में सैनिकों द्वारा नागरिकों पर अत्याचार की हालिया घटना को भी संबोधित किया और जिम्मेदार लोगों के लिए कड़ी सजा की मांग की। उन्होंने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि पिछली घटनाओं के बावजूद कोई सबक नहीं सीखा गया। उन्होंने उम्मीद जताई कि सेना इस मामले की जांच करेगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

एक सवाल के जवाब में, उमर अब्दुल्ला ने खुलासा किया कि उनके प्रशासन ने पुलिस को राजनीतिक कैदियों के मामलों की समीक्षा करने का निर्देश दिया है, खासकर सत्यापन प्रक्रिया के बारे में, जो कई लोगों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने आश्वासन दिया कि लोगों को सत्यापन मुद्दे से निपटना आसान होगा और उनकी सरकार लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए काम कर रही है।

संभल की जामा मस्जिद का मसला- दावे अपने हैं पर, विवाद बड़ा और संवेदनशील

संभल (एजेंसी)। संभल की शाही जामा मस्जिद को लेकर विवाद गंभीर होता जा रहा है। यहां हिंदुओं का दावा है कि इस मस्जिद का निर्माण भगवान विष्णु के मंदिर को तोड़कर किया गया है। जबकि मुस्लिम पक्ष का कहना है कि ये शाही मस्जिद उनकी ऐतिहासिक धरोहर है और उसे अछुण्य रखा जाना चाहिए। फिलहाल मामल अदालत में हैं लेकिन ये मामला अति संवेदनशील होता जा रहा है। हिंदू पक्ष ने दावा किया है कि यह स्थान पहले श्रीहरिहर मंदिर था, जिसे 1529 में बाबर के आदेश पर मस्जिद में बदल दिया गया। इस दावे के आधार पर हिंदू पक्ष ने जिला न्यायालय में याचिका दायर की, जिसके तहत मस्जिद के अंदर सर्वे भी पूरा हो चुका है। अदालत ने सर्वेक्षण रिपोर्ट के लिए कमिश्नर को एक सप्ताह का समय दिया है, जबकि मस्जिद प्रबंध कमेटी ने इस आदेश के खिलाफ अपील की है। मामले की अगली सुनवाई 29 नवंबर को होगी।

हिंदू पक्ष ने अपनी याचिका में बाबरनामा, आइन-ए-अकबरी और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट को आधार बनाया है। बाबरनामा के अनुसार, 1529 में बाबर के सेवक हुमायूं ने मंदिर को तोड़कर मस्जिद का निर्माण कराया। इस ऐतिहासिक विवरण को अनुवादक एनेट सुसान्नाह बेवरिज ने अपनी टिप्पणी में भी उल्लेखित किया है। आइन-ए-अकबरी में अबुल फजल ने पृष्ठ संख्या 281 पर संभल का उल्लेख करते हुए इसे हरि मंडल (विष्णु का मंदिर) बताया है। वहीं, एएसआई की 1874-76 की रिपोर्ट में संभल को एक प्राचीन शहर के रूप में वर्णित किया गया है, जो हिंदू धार्मिक और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा है। जामा मस्जिद की प्रबंध कमेटी ने कोर्ट में अपील दायर कर सर्वेक्षण के आदेश को चुनौती दी है। कमेटी का कहना है कि यह मस्जिद ऐतिहासिक धरोहर है, और इसके साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ अनुचित है। संभल के जिला न्यायालय ने इस मामले में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कमिश्नर से सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यह मामला न केवल धार्मिक बल्कि ऐतिहासिक और कानूनी दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है।

पाकिस्तान में उठ रहा जहरीला धुआं, राजस्थान के 15 शहरों में बढ़ा रहा वायु प्रदूषण

जयपुर(एजेंसी)। पाकिस्तान के मुल्तान और लाहौर से उठने वाला धुआं राजस्थान की हवा को जहरीला कर रहा है। अभी राजस्थान के 15 से ज्यादा शहरों का एक्यूआई का स्तर काफी खराब हो गया है। हवा में छाई प्रदूषण की परत के पीछे पाकिस्तान से आ रही उत्तर-पश्चिम हवाओं को कारण बताया जा रहा है।

पिछले 5 दिनों से पाकिस्तान के मुल्तान और लाहौर शहर का एक्यूआई का स्तर 1500 से पार चल रहा है। इन्हीं शहरों के प्रदूषण का असर राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और गुजरात में दिख रहा है। इस बारे में मौमस विशेषज्ञ ने बताया कि प्रदूषण सभी क्षेत्रों में हर समय बना रहता है। लेकिन इस सीजन में विशेष स्थिति पैदा होती है। जिसके कारण प्रदूषण कोहरे की परत नजर आती है। दूसरा उत्तर-पश्चिमी हवाओं सहित पराली जलाने की घटनाओं से प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है।

मौसम वैज्ञानियों के अनुसार सर्दियों के मौसम में उत्तर-पश्चिम हवा का दौर चलता है। वर्तमान में हवा की स्पीड काफी कम होती है। ये हवा 5 से 6 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आगे बढ़ती है। जबकि गर्मियों में स्पीड 20-25 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है। इधर पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी से सर्दी का भी असर तेज होता है। इस कारण से हवा का घनत्व (डेंसिटी) काफी कम हो जाता है। इसके बाद स्थानीय स्तर पर जो प्रदूषण होता है, उड़ने वाले धूल के कण, फैक्ट्रियों से निकला धुआं हवा में घुल नहीं पाते। ये सारा प्रदूषण इकट्ठा होकर हवा की निचली सतह पर ही कोहरे की परत बना देता है। इससे वायु का स्तर खराब हो जाता है। इस कारण सांस लेने में भी परेशानी होती है।

यह हवा पाकिस्तान के मुल्तान व सिंध की तरफ से उठती है। फिर राजस्थान में उत्तर-पश्चिम की तरफ से प्रवेश करती है। सबसे पहले यह हवा श्रीगंगानगर और बीकानेर के रास्ते प्रवेश करती है। इसके बाद यह जोधपुर, चूरू, झुंझनूं, सीकर, अलवर, जयपुर, अजमेर, ब्यावर, राजसमंद, चित्तौड़गढ, उदयपुर, डूंगरपुर होते हुए गुजरात या अरब की खाड़ी की तरफ चली जाती है। ज्यादातर हवा की स्पीड काफी कम होती है। इसके बाद अजमेर और ब्यावर तक पहुंचने के बाद हवा में धुंध का असर खत्म हो जाता है।

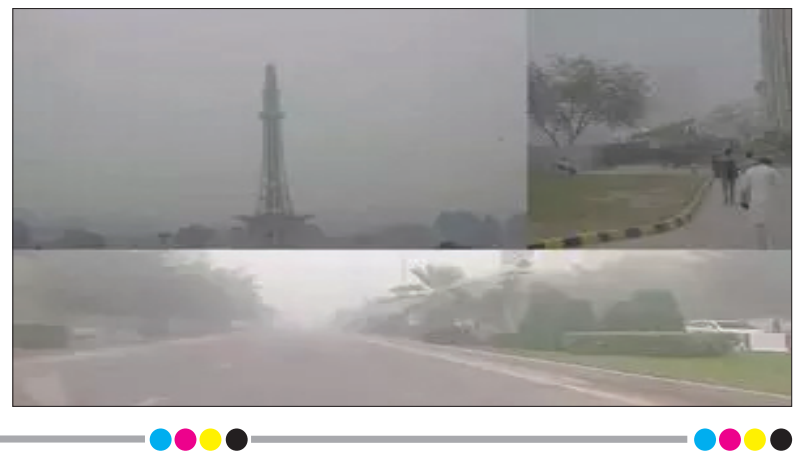

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश को दिसंबर तक एडीबी और विश्व बैंक से 1.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर मिलने की उम्मीद

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश को दिसंबर तक एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से 600 मिलियन और विश्व बैंक से 500 मिलियन डॉलर का कर्ज मिलने की उम्मीद है। वित्त सचिव मोहम्मद खैरुज्जमा मोजुमदार ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मोजुमदार ने मंगलवार को वित्त मंत्रालय में अंतरिम सरकार के 100 दिन पूरे होने के पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही। मोजुमदार ने कहा कि अंतरिम प्रशासन की ओर से लागू की गई नीतियों को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक जैसी डोनर एजेंसियों ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया है। वित्त सचिव ने कहा, हमारी अंतरिम सरकार के नीतिगत उपायों के अच्छे परिणाम सामने आए हैं, जो फंडिंग के मामले में हमारी शुरुआती उम्मीदों से भी अधिक हैं। उदाहरण के लिए, हमने एडीबी के साथ 600 मिलियन डॉलर के कर्ज पर सफल बातचीत की और हमें दिसंबर तक धनराशि मिलने की उम्मीद है। उन्होंने विश्व बैंक के साथ हुई बातचीत पर भी प्रकाश डाला, जिसने इसी समय-सीमा के अंदर 500 मिलियन डॉलर की लोन सपोर्ट प्रदान करने पर सहमति जताई। वित्त सचिव ने कहा, मूल रूप से, यह कर्ज क्रमश 300 मिलियन डॉलर और 250 मिलियन डॉलर निर्धारित किए गए थे, लेकिन बाद में अनुकूल बातचीत होने के कारण इनको बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया। मोजुमदार ने कहा कि सरकार आईएमएफ से और अधिक वित्तीय सहायता की मांग कर रही है। उन्होंने कहा, हमने इस वर्ष के लिए आईएमएफ से अतिरिक्त 1 बिलियन डॉलर की सहायता का अनुरोध किया है। वित्त सचिव ने कहा, 4 दिसंबर को आईएमएफ टीम के दौरे के बाद चर्चा पूरी हो जाएगी और हम नतीजे को लेकर आशावादी हैं।

हैती में बढ़ती हिंसा, राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस में सशस्त्र गिरोह हो रहे मजबूत, यूएन महासचिव ने जताई चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हैती में बढ़ रही हिंसा पर चिंता व्यक्त की है। इस बीच दक्षिण अमेरिकी देश की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस में सशस्त्र गिरोहों के मजबूत होने की खबरें आ रही हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि गुटेरेस ने मंगलवार को बढ़ती हिंसा से निपटने के लिए बहुराष्ट्रीय सुरक्षा सहायता (एमएसएस) मिशन के समर्थन के साथ हैतीयन राष्ट्रीय पुलिस के प्रयासों का पुरजोर समर्थन किया। यूएन महासचिव ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी अपील दोहराई कि एमएसएस मिशन की सफलता के लिए वित्तीय और रसद सहायता मिलती रहनी जरूरी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने राजनीतिक परिवर्तन में तत्काल प्रगति के महत्व पर भी जोर दिया। हैती के लिए संयुक्त राष्ट्र की रेजिडेंट और मानवीय समन्वयक उलिका रिचर्डसन ने इस महीने की शुरुआत में चेतावनी दी थी कि हैती में स्थिति बहुत गंभीर है, खासकर राजधानी में। वहां के कई इलाके पूरी तरह से गिरोहों के नियंत्रण में हैं जो क्रूर हिंसा करते हैं, महिलाओं का बलात्कार करते हैं और बच्चों को अपने गिरोह में शामिल करते हैं, और यह बेहद चिंताजनक है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार, इस साल जनवरी से सितंबर के बीच हैती में लगभग 4,900 लोग मारे गए हैं, जिसका मुख्य कारण देश भर में लगातार हो रही हिंसा है। देश में 700,000 से अधिक लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं, जिनमें से आधे से ज्यादा बच्चे हैं। पोर्ट-ऑ-प्रिंस में, बढ़ती हिंसा के कारण हाल के हफ्तों में 12,000 लोग विस्थापित हुए हैं।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में नाबालिग हिंदू लड़की का अपहरण का धर्मांतरण कराया गया

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 10 वर्षीय एक हिंदू लड़की को अगवा करके जबरन उसकी शादी एक मुस्लिम व्यक्ति से कराने का मामला सामने आया है। हालांकि, अधिकारियों ने उसे बचा लिया है। सिंध प्रांत के ग्रामीण क्षेत्रों में हिंदू समुदाय के लिए नाबालिग और किशोर हिंदू लड़कियों का अपहरण, जबरन धर्मांतरण और विवाह एक बड़ी समस्या बनी हुई है। पाकिस्तान दरावर इत्तेहाद (अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए गठित एक गैर सरकारी संगठन) के अध्यक्ष शिवा काछी के अनुसार एक अन्य मामले में संघर में एक 15 वर्षीय हिंदू लड़की की 50 वर्षीय मुस्लिम व्यक्ति से जबरन शादी करा दी गई, जिसे अभी तक बरामद नहीं किया जा सका है। शिवा ने बुधवार को बताया कि कुछ भ्रष्ट पुलिसकर्मियों की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाते हैं और जब पीड़ित के माता-पिता/वकील मामला अदालत में ले जाते हैं तो उन्हें अदालत में पेश कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि 10 वर्षीय लड़की को पिछले सप्ताह मीरपुरखास के कोट गुलाम मुहम्मद गांव में उसके घर के बाहर से अगवा कर लिया गया और उसे सरहंदी एयर समारो मदरसा ले जाया गया। उन्होंने कहा कि लड़की को इस्लाम स्वीकार करने के लिए मजबूर किया गया और फिर उसकी शादी शाहिद तालपुर से कर दी गई, लेकिन जब इस मुद्दे को क्षेत्र के अधिकारियों के समक्ष उठाया गया तो एसएसपी पुलिस अनवर अली तालपुर ने हस्तक्षेप किया और लड़की को बरामद कर उसके घर वापस भेज दिया गया।

सुंदर पिचाई ने ट्रंप को बधाई के लिए किया कॉल, बीच में आ गए एलन मस्क

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मशहूर बिजनेसमैन एलन मस्क की दोस्ती के किस्से अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने ट्रंप को बधाई देने के लिए कॉल किया। हालांकि, इस कॉल में एक अनोखा मोड़ आया जब एलन मस्क भी इसमें शामिल हो गए। पिचाई ने इस कॉल के जरिए न केवल ट्रंप को बधाई दी बल्कि ट्रंप और मस्क की साझेदारी को भी समझने का मौका दिया। यह कॉल मस्क और ट्रंप के प्रशासनिक एजेंडे की ओर इशारा करता है, जहां सरकारी कामकाज को आधुनिक और कुशल बनाने पर जोर दिया जाएगा। सुंदर पिचाई द्वारा ट्रंप को किया गया यह कॉल एलन मस्क की मौजूदगी के कारण खास बन गया।

यह घटना न केवल ट्रंप और मस्क की दोस्ती बल्कि ट्रंप प्रशासन में मस्क की बढ़ती भूमिका को भी उजागर करती है। अब देखना यह है कि मस्क और रामास्वामी की टीम ट्रंप के सेव अमेरिका अभियान को कितना सफल बना पाती है।एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप को उनके दूसरे राष्ट्रपति चुनाव में खुलकर समर्थन दिया। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, मस्क ने ट्रंप समर्थक एक समूह को कम से कम .119 मिलियन का दान दिया, जो उनके व्यवसायों को सरकारी नियमन और नीति समर्थन से बचाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा था। उनके व्यवसाय, जैसे टेस्ला की इलेक्ट्रिक कारें, न्यूरालिंक के ब्रेन चिप्स और स्पेसएक्स के रॉकेट, सभी सरकारी नीतियों और सब्सिडी पर निर्भर करते हैं।

मस्क ने 13 जुलाई को ट्रंप का समर्थन किया, उसी दिन जब पेन्सिलवेनिया में एक असफल हत्या प्रयास में ट्रंप घायल हुए थे। मस्क ने ट्रंप के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दिनों में कई बार भाषण दिए और चुनाव की रात उनके मार-ए-लागो क्लब में उनके साथ समय भी बिताया। सुंदर पिचाई ने डोनाल्ड ट्रंप को हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में मिली जीत के लिए फोन किया। इस कॉल के दौरान एलन मस्क भी मौजूद थे। मस्क हाल के दिनों में ट्रंप के साथ लगातार सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में उनकी मौजूदगी इस कॉल को और भी खास बना गई। एलन मस्क को ट्रंप की नई सरकार में एक अहम जिम्मेदारी दी गई है, जिसके तहत वह अमेरिकी सरकारी संस्थानों को अधिक प्रभावी और कुशल बनाने में मदद करेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क को अपने प्रशासन में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (सरकारी दक्षता विभाग) का प्रमुख नियुक्त किया है। जिसमें उनका काम सरकारी खर्चों में कटौती, फेडरल एजेंसियों को पुनर्गठित करनाऔर अनावश्यक नियम-कायदों को खत्म करना आदि शामिल है। मस्क इस विभाग को भारतीय-अमेरिकी कारोबारी विवेक रामास्वामी के साथ मिलकर संभालेंगे। एलन मस्क और विवेक रामास्वामी मिलकर सरकारी ढांचे को सरल और प्रभावी बनाएंगे। यह कदम सेव अमेरिका अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अमेरिकी चुनाव के दौरान मस्क ने गूगल पर आरोप लगाया था कि डोनाल्ड ट्रंप को सर्च करने पर कमला हैरिस से जुड़ी खबरें दिखाई जा रही थीं। मस्क ने इसे गूगल की पक्षपातपूर्ण सर्च एल्गोरिदम का उदाहरण बताया था। ट्रंप और मस्क को हाल ही में कई बड़े आयोजनों स्पेस एक्स स्टारशिप लॉन्चिंग और यूएफसी इवेंट में भी साथ देखा गया । ट्रंप और मस्क की बढ़ती करीबी के कारण मस्क को अब ट्रंप का फर्स्ट बडी कहा जा रहा है।

हम 1000 दिन से झेल रहे और आप 1 दिन में डर , अमेरिका और नाटो देशों को यूक्रेन ने सुनाया

कीव, एजेंसी। अमेरिका और इटली, स्पेन, हंगरी जैसे यूरोपीय देशों ने यूक्रेन की राजधानी कीव में अपने दूतावासों को बंद कर दिया है। अमेरिका का कहना है कि रूस की ओर से कीव में भीषण हमला हो सकता है। ऐसे में सुरक्षा के लिहाज से दूतावास को बंद किया गया है। अमेरिका के फैसले के बाद उसके अन्य नाटो सहयोगियों ने भी ऐसा ही फैसला लिया है। इस बीच यूक्रेन ने अमेरिका और अन्य सहयोगी देशों के इस फैसले पर भड़ास निकाली है। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, हम आपको याद दिला दें कि हम बीते 1000 दिनों से हर रोज हमलावर की तरफ से भीषण अटैक का खतरा और डर झेल रहे हैं। लेकिन आप एक दिन में ही हमले की एक फर्जी खबर के आधार पर दूतावास ही बंद करके निकल रहे हैं। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका समेत सभी सहयोगी देशों को लताड़ते हुए कहा कि यह तो रूस की एक चाल है। वह मनोवैज्ञानिक और इन्फॉर्मेशन वॉर लड़ रहा है। उसने सोशल मीडिया पर ऐसा एक संदेश प्रसारित किया कि कीव पर भीषण हमला किया जाएगा और उसका यह असर दिखा है। इससे उसे आतंकित करने में ही मदद मिलेगी। दरअसल मॉस्को की ओर से पिछले दिनों कहा था कि हम यूक्रेन के उन हमलों का बदला लेंगे, जिन्हें अमेरिकी मिसाइलों की मदद से किया गया है। रूस का कहना है कि यूक्रेन की यह गलती थी कि उसने हमारे इलाके में घुसकर हमला किया। अब भीषण हमला किया जाएगा। रूस की इस चेतावनी के बाद से ही अमेरिका और अन्य कई देश अलर्ट मोड पर हैं। इन देशों ने अपने दूतावास ही बंद कर दिए हैं। हालांकि यूक्रेन को इस बीच अप्रत्याशित तौर पर इजरायल से समर्थन मिला है।

ईरान की यूनिवर्सिटी में न्यूड होकर हिजाब का विरोध करने वाली छात्रा को इरानी अदालत ने किया रिहा

तेहरान, एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान की एक यूनिवर्सिटी में अंडरवियर में घूमने वाली छात्रा का मामला दुनियाभर में चर्चा का विषय बन गया था। इस घटना के बाद सभी की नजरें अदालत के फैसले पर थीं। अब ईरान की अदालत ने छात्रा को रिहा कर दिया है, और उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया जाएगा। लड़की को मानसिक स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल भेजा गया था। डॉक्टरों ने पाया कि वह मानसिक बीमारी से जूझ रही थी। इसे ध्यान में रखते हुए उसे उसके परिवार को सौंप दिया गया है और उसके खिलाफ कोई न्यायिक मामला नहीं चलेगा। अदालत ने माना कि छात्रा के असामान्य व्यवहार की वजह उसकी पारिवारिक समस्याएं और मानसिक स्थिति थी। उसके साथी और करीबी पहले भी ऐसे लक्षण देख चुके थे। नवंबर की शुरुआत में वायरल हुए वीडियो में इस छात्रा को तेहरान की इस्लामिक आजाद यूनिवर्सिटी के कैंपस में अंडरवियर में घूमते हुए देखा गया था। वीडियो के वायरल होने के बाद यह मामला न केवल ईरान, बल्कि दुनियाभर में सुर्खियों में आ गया। ईरान में 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद लागू किए गए सख्त ड्रेस कोड के तहत महिलाओं के लिए सिर ढकने वाले कपड़े पहनना अनिवार्य है। इस नियम के तहत पब्लिक प्लेस पर ऐसे कपड़े पहनने को लेकर छात्रा को कड़ी सजा मिलने की आशंका जताई जा रही थी।

पाकिस्तान- इमरान खान को तोशाखाना के दूसरे मामले में जमानत

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को तोशाखाना से जुड़े दूसरे मामले (तोशाखाना केस-2) में जमानत मिल गई है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने जमानत के तौर पर 10 लाख पाकिस्तानी रूपए के बॉन्ड जमा करने का आदेश दिया है। इमरान खान पिछले साल 5 अगस्त से जेल में बंद है। हालांकि जमानत मिलने के बाद इमरान को रिहा किया जाएगा या नहीं, ये अभी साफ नहीं है। पहले से जेल में बंद इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को इस साल 13 जुलाई को तोशाखाना केस-2 में जेल से ही गिरफ्तार किया गया था। हालांकि पिछले महीने 24 अक्टूबर को बुशरा बीबी को इस्लामाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है। इससे पहले पिछले हफ्ते गुरुवार को पाकिस्तान की एक अदालत में तोशाखाना केस-2 में इमरान और बुशरा को बरी करने के लिए सुनवाई हुई थी। हालांकि कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया था।

474 दिन से जेल में बंद है इमरान : इमरान अलग-अलग मामलों में 474 दिनों से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। इस्लामाबाद की स्थानीय कोर्ट ने उन्हें 5 अगस्त, 2023 को तोशाखाना केस में दोषी करार दिया था। इसके बाद उन्हें इस्लामाबाद के जमान पार्क स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। बाद में उन्हें 2 और मामलों में दोषी करार दिया

गया था। हालांकि इन सभी मामलों में इमरान को बरी किया जा चुका है। 13 जुलाई को फर्जी निकाह मामले में रिहाई के बाद उन्हें तोशाखाना केस-II मामले में गिरफ्तार कर लिया गया था।

इमरान खान से जुड़े प्रमुख मामलों की डिटेल्स : बुशरा बीबी के पूर्व पति, खावर फरीद मनेका ने बुशरा और इमरान पर आरोप लगाया था कि दोनों ने गैर इस्लामिक तरीके से शादी की है। बुशरा के तलाक के बाद इद्दत का समय पूरा होने से पहले ही खान ने उनसे शादी कर ली थी। इस मामले में 3 फरवरी को बुशरा और इमरान को दोषी ठहराया गया था। उन्हें 7 साल की सजा और 5 लाख पाकिस्तानी रूपए का जुर्माना लगाया था। इस केस में दोनों को 13 जुलाई को रिहाई मिली।

इससे पहले इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने 3 जून को इमरान खान को सबूतों के अभाव में साइफर केस (सीक्रेट लेटर चोरी) में बरी कर दिया था। उनको इस्लामाबाद की विशेष अदालत ने 10 साल की सजा सुनाई थी। इमरान खान को 29 अगस्त 2023 को साइफर गेट स्कैंडल में हिरासत में लिया गया था।

केस-3 तोशाखाना केस में खान को 1 अप्रैल को रिहा कर दिया गया था। उनकी 14 साल की सजा को रद्द कर दिया गया था। केस-4 तोशाखाना से जुड़ा दूसरे मामले में इमरान को 13 जुलाई को गिरफ्तार किया गया। ये केस तोशाखाना के पहले मामले का फॉलो-अप था। पहले मामले में इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा पर दूसरे देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मिले उपहारों की जानकारी छिपाने और उन्हें बाजार में बेचने का आरोप लगा था। 20 नवंबर यानी आज इसी मामले में जमानत मिली है।

गृहयुद्ध में फंसे सूडान की मदद, इराकी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने भेजी 60 टन मेडिकल मदद

बगदाद , एजेंसी। इराकी रेड क्रिसेंट सोसाइटी (आईआरसीएस) ने सूडान को 60 टन दवाइयां और मेडिकल सप्लाई पहुंचाने की घोषणा की। आईआरसीएस ने एक बयान में कहा कि सहायता खेप के साथ उसका एक प्रतिनिधिमंडल भी गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने सूडान के स्वास्थ्य मंत्री हैथम मोहम्मद इब्राहिम के साथ बैठक कर देश के गंभीर मानवीय संकट को कम करने के लिए संयुक्त सहयोग और अतिरिक्त सहायता की संभावनाओं पर चर्चा की। सूडानी स्वास्थ्य मंत्री ने आईआरसीएस की कोशिशों की तारीफ की। उन्होंने सूडान की तत्काल जरूरतों को पूरा करने में मेडिकल सप्लाई के महत्व पर जोर दिया। इस बीच सूडान की संक्रमणकालीन संप्रभु परिषद के अध्यक्ष और सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) के कमांडर अब्देल फत्ताह अल-बुरहान ने देश में सशस्त्र संघर्ष के समाधान के लिए किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को अस्वीकार करने की बात दोहराई। अल-बुरहान ने कहा कि संघर्ष का समाधान आंतरिक है, अर्थात विद्रोह को समाप्त करना,

क्योंकि इसकी उपस्थिति का अर्थ है कि संकट भविष्य में भी जारी रहेगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार उन्होंने यह बात पोर्ट सूडान में युद्ध चुनौतियों से निपटने के लिए आयोजित प्रथम आर्थिक सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में कही। अल-बुरहान ने कहा, सूडान तब तक किसी भी वार्ता में शामिल नहीं होगा और युद्ध विराम पर सहमत नहीं होगा जब तक विद्रोही मिलिशिया उन क्षेत्रों से पूरी तरह से वापस नहीं लौट जाते जिनमें वे प्रवेश कर चुके हैं। सूडान अप्रैल 2023 के मध्य से एसएएफ और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के बीच विनाशकारी संघर्ष की चपेट में है। आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डाटा प्रोजेक्ट के नवीनतम अपडेट के अनुसार, इस घातक संघर्ष की वजह से 27,120 से अधिक मौतें हुई हैं।

खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला, 12 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक आत्मघाती हमलावर विस्फोटकों से लदे वाहन मलिकेल क्षेत्र में एक संयुक्त चौकी में घुस गया. इससे वहां धमाका हो गया. घटना में कम से कम 12 पाकिस्तानी सेना के जवान मारे जाने की खबर है. पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, आतंकवादियों ने मंगलवार देर रात बन्नू जिले के मालीखेल क्षेत्र में एक संयुक्त चौकी पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन सैनिकों ने चौकी में घुसने के उनके प्रयास को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया.

12 सैनिकों की मौत : आईएसपीआर के बयान के हवाले से पीटीआई ने कहा, आत्मघाती विस्फोट के कारण दीवार का एक हिस्सा ढह गया और आस-पास के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा, जिसके चलते सुरक्षा बलों के 10 सैनिकों और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के दो सैनिकों सहित 12 सैनिकों की मौत हो गई.

हाफिज गुल बहादुर समूह ने ली जिम्मेदारी : पाकिस्तानी सेना ने कहा कि गोलीबारी में छह आतंकवादी भी मारे गए हैं. पीटीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है. एपी की रिपोर्ट के अनुसार हाफिज गुल बहादुर समूह के नाम से मशहूर पाकिस्तानी तालिबान के एक अलग गुट ने हमले की जिम्मेदारी ली है. बयान में कहा गया है, इलाके में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और इस जघन्य कृत्य के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा. गौरतलब है कि पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर-पख्तूनख्वा प्रांतो सहित पाकिस्तान में आतंकवाद से संबंधित घटनाओं में वृद्धि हुई है. क्वेटा के रेलवे स्टेशन पर हुआ था धमाका इससे पहले महीने की शुरुआत में 9 नवंबर को क्वेटा में एक रेलवे स्टेशन पर हुए विस्फोट में 14 पाकिस्तानी सेना के जवानों सहित 25 लोग मारे गए थे. यह विस्फोट उस समय हुआ था, जब यात्री बलूचिस्तान की राजधानी में मुख्य रेलवे स्टेशन के एक प्लेटफॉर्म पर इंतजार कर रहे थे. सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज ने कहा है कि 2024 की तीसरी तिमाही में पाकिस्तान में हिंसा में 90 प्रतिशत की वृद्धि देखी जाएगी. इस बीच पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने बुधवार को दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादियों के खिलाफ एक नए सैन्य अभियान की घोषणा की, जो खैबर पख्तूनख्वा की सीमा पर है और प्रमुख चीनी बेल्ट एंड रोड परियोजनाएं चल रही है।

हमास अब कभी शासन नहीं कर पाएगा, इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने गाजा पहुंचकर किया ऐलान

येरूशलम, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को गाजा का एक दुर्लभ दौरा किया, जहां उन्होंने कहा, कि युद्ध समाप्त होने के बाद हमास फिर कभी फिलिस्तीनी क्षेत्र पर शासन नहीं करेगा। उन्होंने उग्रवादी समूह को नष्ट करने की अपनी प्रतिज्ञा की भी पुष्टि की और कहा, कि इजराइली सशस्त्र बलों ने हमास की सैन्य क्षमताओं को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। बेंजामिन नेतन्याहू, जिन्हें युद्ध की वर्दी और बैलिस्टिक हेलमेट पहने देखा गया, वो गाजा में समुद्र के किनारे एक स्थान पर खड़े थे और उन्होंने एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उन्होंने कहा, कि हमास वापस नहीं आएगा और इसके अलावा, अभी भी कैद में मौजूद इजरायली बंधकों के बारे में भी उन्होंने बात की। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में हमास के कब्जे में फंसे करीब 100 इजराइली बंधकों की तलाश जारी रहेगी। उन्होंने हर एक बंधक की वापसी के लिए 5 मिलियन डॉलर का इनाम भी रखा। इसके बाद उन्होंने आतंकवादियों को चेतावनी देते हुए कहा, कि जो कोई भी हमारे बंधकों को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत करेगा, उसके सिर पर खून होगा। हम तुम्हें खोजकर पकड़ लेंगे। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि जो कोई भी हमारे पास बंधक लाएगा, उसे सुरक्षित रास्ता मिलेगा। इसलिए, चुनाव आपका है, लेकिन परिणाम वही होगा। हम उन सभी को वापस ले आएंगे। बेंजामिन नेतन्याहू, इजराइल की सेना द्वारा जमीनी स्तर पर ऑपरेशनल गतिविधियों की प्रत्यक्ष जानकारी लेने के लिए गाजा का दौरा कर रहे थे। उनके साथ रक्षा मंत्री और सेना प्रमुख भी थे। आपको बता दें, कि इजराइल पर हमास का 2023 का हमला देश के इतिहास का सबसे खूनी दिन था,

जिसमें 1200 लोग मारे गए और 250 से अधिक बंधक बनाए गए थे। इस हमले ने, जिसने अब तक के एक साल से अधिक लंबे युद्ध को जन्म दिया, इजराइल ने गाजा में अपने अब तक के सबसे विनाशकारी हमले के साथ जवाब दिया, गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, लगभग 44,000 लोग मारे गए हैं वहीं, गाजा पट्टी को मलबे के बंजर भूमि में बदल दिया गया है, जहां लाखों लोग भोजन, ईंधन, साफ पानी के लिए तरस रहे हैं। युद्ध की शुरुआत से ही हमास के कई शीर्ष नेताओं को निशाना बनाकर उनकी हत्या करने वाले इजराइल ने इस समूह को पूरी तरह से नष्ट करने की कसम खाई है। जबकि इजराइल और उसके पश्चिमी सहयोगियों ने हमास को एक आतंकवादी समूह घोषित किया है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में दिनदहाड़े ज्वेलर्स की दुकान में लूट का प्रयास

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भेस्तान इलाके में दिनदहाड़े लूट का प्रयास किया गया। दोपहर के समय तीन अपराधियों ने दुकान में घुसकर लूट की कोशिश की। दुकान से प्रतिकार करने वाले दो व्यक्तियों के गले पर तेज हथियार से वार कर उन्हें घायल कर दिया। इसके बाद तीन अपराधियों में से दो फरार होने में सफल रहे, जबकि एक संदिग्ध को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सूरत के भेस्तान इलाके के चार रास्ता स्थित शांति नाथ ज्वेलर्स की दुकान में दिनदहाड़े लूट का प्रयास हुआ। दोपहर करीब 2 से 2:30 बजे तीन लूटेरों ने तेज हथियारों के साथ दुकान में घुसकर लूट की कोशिश की। दुकान में मौजूद एक वृद्ध व्यक्ति और एक कारीगर ने विरोध किया, लेकिन लूटेरों ने उनके गले पर तेज हथियार से वार कर दिया, जिससे वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका खून बहने लगा।

सूरत में दिनदहाड़े लूट का प्रयास, भेस्तान इलाके में तीन अपराधियों ने किया हमला

लूट की घटना के बाद इलाके में हलचल मच गई थी। स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को उनके गले पर कपड़ा बांधकर अस्पताल पहुंचाया। इस बीच, लूट के तीन आरोपियों में से एक को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। बाद में, पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गए आरोपी को उनके हवाले कर दिया। फिलहाल, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और गिरफ्तार किए गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

सूरत में सार्वजनिक जगह पर मारपीट करने वालों को कानून का पाठ पढ़ाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में सार्वजनिक स्थान पर मारपीट करने वाले आरोपियों को पुलिस ने कड़ी सजा दी। आरोपियों को न केवल गिरफ्तार किया गया, बल्कि उन्हें कानून के प्रति जागरूक करने के लिए सख्त सजा दी गई। पुलिस ने उन्हें क़ानूनी दंड के बारे में समझाया और उन्हें सबक सिखाया कि ऐसी घटनाएँ समाज में अशांति फैलाती हैं। पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई से अन्य लोगों में भी क़ानून के प्रति सम्मान जागरूक हुआ।

सूरत में असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। दो दिन पहले, मोटा वराछा क्षेत्र में सार्वजनिक रूप से मारपीट की घटना हुई थी। असामाजिक तत्वों ने आमलेट सेंटर के मालिक और उनके भाई पर जानलेवा हमला किया था। इस हमले के बाद, उत्राण पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए प्रयास कर रही है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

सूरत पुलिस ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की और सार्वजनिक स्थान पर आरोपियों का सार्वजनिक रूप से परिचय कराया। इस दौरान डीसीपी राजदीपसिंह नकुम सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और उन्हें सबक सिखाने के लिए उनके ठिकाने पर ले जाया गया, हालांकि आरोपियों की स्थिति जांचने के बाद वह वहां नहीं पहुंच पाए। पुलिस का संदेश स्पष्ट था कि अगर इन तत्वों ने फिर से कोई गैरकानूनी गतिविधि की, तो उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी।

तीन महीने से फरार दो आरटीओ एजेंटों की गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

तीन महीने से फरार चल रहे दो आरटीओ एजेंटों को गिरफ्तार किया गया है। ये एजेंट चोरी की बाइक्स और बैंक से जब्त किए गए वाहनों के लिए नकली आरसी बुक्स तैयार करते थे। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।

सूरत क्राइम ब्रांच ने तीन महीने पहले बैंक से जब्त किए गए वाहनों और चोरी की बाइक्स के लिए नकली आरसी बुक बनाने के रैकेट का पर्दाफाश किया था। अब इस रैकेट में शामिल दो और आरटीओ एजेंटों की गिरफ्तारी की गई है।

सूरत सिविल में नल भी सुरक्षित नहीं

सुरक्षा की लापरवाही से किडनी बिल्डिंग से पिछले 15 दिनों में 50 से ज्यादा पानी के नल की चोरी

पानी का नुकसान और डॉक्टर-रोगी परेशान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत सिविल अस्पताल में सुरक्षा की लापरवाही के कारण किडनी बिल्डिंग से पिछले 15 दिनों में 50 से ज्यादा पानी के नल चोरी हो चुके हैं। पानी की आपूर्ति में गड़बड़ी होने से डॉक्टर और रोगी दोनों परेशान हैं। पानी की चोरी के कारण अस्पताल में पानी का नुकसान हो रहा है, और इस समस्या से अस्पताल की सुविधाओं पर भी असर पड़ रहा है।

सूरत नई सिविल में कुछ सुरक्षा गार्ड और सुपरवाइज़र उचित ड्यूटी नहीं निभा रहे हैं, जिसके कारण किडनी बिल्डिंग से पिछले 10 से 15 दिनों में 50 से ज्यादा पानी के नल, बाथरूम समेत अन्य स्थानों से चोरी हो चुके हैं। इस वजह से लगातार पानी बहता रहने के कारण डॉक्टर, मरीज और उनके रिश्तेदारों की स्थिति काफी खराब हो गई है। इस पर प्रशासन केवल च्जांच करेंगेज्ज कहकर मामले को टाल रहा है। सुपरिटेंडेंट का कहना है कि इस घटना का ध्यान में रखा गया है और कार्रवाई की जाएगी।

15 दिनों में 50 नल की चोरी की घटना

सूरत नई सिविल अस्पताल के किडनी बिल्डिंग में ट्रॉमा सेंटर, ओपीडी, वार्ड सहित अन्य जरूरी विभागों में बाथरूम और वॉशबेसिन में हाथ धोने और अन्य आवश्यक उपयोग के लिए पानी की व्यवस्था की गई थी। लेकिन पिछले 10 से 15 दिनों से बाथरूम और अन्य स्थानों से 50 से ज्यादा पानी के नल चोरी हो चुके हैं। जब तक नया नल नहीं लगाया जाता, तब तक पानी लगातार बहता रहता है, जिससे पानी की बर्बादी हो रही है।

नल की चोरी को लेकर बैठक बुलाई जाएगी

दूसरी ओर, यह भी पता चला है कि सिविल अस्पताल का क्षेत्र, जिसमें तीन बिल्डिंग्स शामिल हैं, बहुत बड़ा है, लेकिन वहां केवल कुछ सुरक्षा गार्ड ही ड्यूटी पर रहते हैं। इन परिस्थितियों के कारण अस्पताल में चोरी की घटनाएं हो सकती हैं, साथ ही वाहनों की पार्किंग भी सही से नहीं हो पाती है। सुरक्षा गार्डों की संख्या कम है। इस पर सूरत सिविल अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. धारित्री परमारे ने कहा कि सूरत सिविल अस्पताल के किडनी बिल्डिंग में नल की चोरी होने की जानकारी उनके ध्यान में आई है। इस मुद्दे पर बैठक भी बुलाई गई है और यह जांच की जा रही है कि कितने नल चोरी हुए हैं और कहां से चोरी किए गए हैं।

सीसीटीवी के बाद कार्रवाई की जाएगी

इसके अलावा, यह भी बताया गया कि सूरत सिविल अस्पताल में पुरानी बिल्डिंग से नई बिल्डिंग में वार्ड को ट्रांसफर करने का काम चल रहा है। साथ ही निर्माण कार्य भी जारी है। ऐसी संभावना है कि यह चोरी किसी श्रमिक द्वारा की गई हो। सीसीटीवी की जांच की जा रही है। अगर किसी पर संलिप्तता का पता चलता है, तो उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छात्रों की शिक्षा और लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाली संस्था,नकली नोट उड़ाकर विरोध

NSUI द्वारा सूरत की मां कामल संस्था में विरोध

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

एनएसयूआई ने सूरत की मां कामल संस्था के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि यह संस्था छात्रों की शिक्षा और लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। विरोध के दौरान नकली नोट उड़ाकर संस्था के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया।

राजपीपला में पिछले 20 वर्षों से चल रही और हजारों आदिवासी छात्रों से 2 से 3 लाख रुपये की फीस वसूलकर नर्सिंग प्रशिक्षण देने वाली मां कामल नर्सिंग कॉलेज को राज्य सरकार के शिक्षा विभाग से कोई मंजूरी नहीं मिलने का खुलासा हुआ है। नर्सिंग कॉलेज के पास मेडिकल काउंसिल की कोई अनुमति नहीं है, और राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई विश्वविद्यालय से भी यह संबद्ध नहीं है। इस तथ्य को देखते हुए, अब उन हजारों छात्रों के भविष्य पर सवाल खड़ा हो गया है, जिन्होंने इस कॉलेज से शिक्षा प्राप्त की और बाहर निकल गए। इस पर आज सूरत में स्थित मां कामल नर्सिंग संस्थान के ऑफिस में एनएसयूआई द्वारा नकली नोट उड़ाकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

नर्सिंग कॉलेज को राज्य सरकार की कोई मंजूरी नहीं मिली है

राजपीपला में चल रही मां कामल नर्सिंग कॉलेज के पिछले तीन वर्षों से पढ़ाई कर रहे छात्रों में से अनुमानित 80 से 90 छात्रों की स्कॉलरशिप पास नहीं हो पाई थी। इसके अलावा, कॉलेज ने छात्रों को उनके मूल दस्तावेज़ नहीं दिए, फीस की बार-बार वसूली की, बेंगलुरु परीक्षा के लिए ले जाने और परीक्षा कॉल लेटर न मिलने जैसी समस्याओं से यह संस्था संदेह के घेरे में आ गई थी। इसके कारण छात्रों ने विरोध किया और एडमिशन कैंसल करने तथा अपने मूल दस्तावेज़ वापस मांगने की ज़िद पकड़ी। शिक्षा मंत्री ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि इस नर्सिंग कॉलेज को राज्य सरकार से कोई मंजूरी नहीं मिली है। इसके बाद, नर्सिंग कॉलेज को मान्यता देने वाले GMERS के सीनियर डॉक्टरों ने भी इस कॉलेज को अवैध होने की रिपोर्ट दी है।छात्रों के भविष्य पर सवाल उठे मां कामल नर्सिंग कॉलेज से पढ़ाई करके बाहर निकले हजारों छात्रों के भविष्य पर अब सवाल उठ खड़े हुए हैं।

पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में खेलेगी अग्रवाल कॉलेज की छात्राएं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वेसु स्थित अग्रवाल विद्या विहार कॉलेज की छात्रा नियति जैन एवं माही झवेरी का चयन वीर नर्मद साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी की बास्केटबॉल टीम में हुआ है। कॉलेज के अध्यक्ष संजय सरावगी ने बताया कि पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर में खेला जाएगा। इस मौके पर कॉलेज के ट्रस्टी एवं अध्यापकों द्वारा दोनों छात्राओं को बधाई दी गई।

सूरत में पत्नी की हत्या के बाद पति ने फांसी लगाई, रोज़ के झगड़ों से कदम उठाया : बच्चों का बयान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली। पुलिस के अनुसार, पति-पत्नी के बीच रोज़ के झगड़े और तनाव के कारण यह कदम उठाया गया हो सकता है। आरोपी ने अपनी पत्नी की हत्या के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बच्चों से पूछताछ की, जिन्होंने अपने माता-पिता के बीच बढ़ते विवादों का जिक्र किया। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

सूरत में पति-पत्नी के बीच के झगड़े ने हिंसक रूप ले लिया, जहां पति ने रोज़ के झगड़ों से तंग आकर अपनी पत्नी को धारदार हथियार से मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद उसने आत्महत्या करने के लिए फांसी लगाई। इस घटना के बाद पति-पत्नी दोनों के मौत के बाद उनके बच्चे अनाथ हो गए हैं। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और और अधिक विवरण के लिए पूछताछ जारी है।

सूरत के कतारगाम स्थित न्यू त्रिवेणी सोसायटी में रहने वाले 50 वर्षीय नरेशभाई कुंडलिया का अपनी पत्नी जमनाबेन के साथ रात के समय झगड़ा हुआ। इस झगड़े में उग्र होकर नरेशभाई ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और फिर खुद को कमरे में जाकर फांसी लगा ली। इस घटना से सनसनी मच गई। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। यह भी सामने आया कि उनके दोनों बेटे कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए हरियाणा गए हुए थे।

डिसीपी पिनाकीन परमार ने कहा कि सिंगणपोर की न्यू त्रिवेणी सोसायटी में एक घर से दोनों मृतकों के शव मिले। पत्नी जमनाबेन कंडलिया की धारदार हथियार से हमला करके हत्या की गई थी। उसके खिलाफ 50 वर्षीय पति नरेशभाई देवजीभाई कंडलिया ने गहने से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। शुरुआती जांच में घरेलू विवाद के कारण झगड़े की बात सामने आई है। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है। मृतक के परिवारजनों से भी संपर्क किया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

पुलिसकर्मी काम में व्यस्त थे और चोर मौका देखकर फरार हो गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दीवाली के बाद से शहर की पुलिस पर जैसे ग्रहण लग गया हो, क्योंकि एक के बाद एक अपराध की घटनाएँ बढ़ रही हैं, जिससे पुलिस विवादों में घिरी हुई है।

कुछ दिन पहले कागड़ापीठ पुलिस स्टेशन के पास हुई युवक की हत्या का विवाद अभी शांत नहीं हुआ था कि रात के समय एक चोर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया, जिससे एक और विवाद पैदा हुआ। कागड़ापीठ पुलिस स्टेशन में पुलिसकर्मी अपने काम में पूरी तरह तल्लीन थे, उसी दौरान चोर चपलता से वहां से निकल गया। जब पुलिसकर्मियों को इस बारे में जानकारी मिली, तो उसे पकड़ने के लिए कई टीमें बनाई गई।

शहर में चोरी, चैन स्नैचिंग समेत अन्य घटनाएँ काफी बढ़ गई हैं, जबकि इन घटनाओं के समाधान का रेशियो बहुत कम है। कागड़ापीठ पुलिस ने कल एक घरफोड़ चोरी के आरोपित को सामान सहित कड़ी मेहनत से पकड़ लिया था। पुलिस स्टेशन में लोकअप की व्यवस्था न होने के कारण आरोपित को पीएसओ की टेबल के पीछे बैठाया गया था। जब पीएसओ समेत अन्य पुलिसकर्मी काम में व्यस्त थे, तो घरफोड़ चोरी का आरोपित चुपचाप उठकर फरार हो गया। कागड़ापीठ पुलिस स्टेशन में विवाद शांत नहीं हो रहा है।

सूरत में युवक ने 7वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या की, UPSC में 1 अंक से असफल होने के बाद लिया कदम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक दुखद घटना में एक युवक ने 7वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक ने यूपीएससी परीक्षा में 1 अंक से असफल होने के बाद निराश होकर यह कदम उठाया। युवक की पहचान के अनुसार, वह UPSC की तैयारी कर रहा था और पिछले साल के परिणाम में वह केवल 1 अंक से असफल हो गया था। मानसिक तनाव और आत्मविश्वास की कमी के कारण उसने यह दर्दनाक कदम उठाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सूरत के सचिन क्षेत्र में एक युवक ने सातवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली, जिससे परिवार में शोक का माहौल बन गया है। युवक अपने घर से निकलकर लो राइज अपार्टमेंट की गैलरी से कूद गया था। घटना की जानकारी मिलने पर उसके परिजन दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे। फिलहाल, पुलिस ने आत्महत्या के इस मामले की जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के हरद्वारी गांव के शिवम द्विजेंद्र त्रिपाठी, जो सूरत के कैलाश नगर सचिन में एक महीने से रह रहे थे, हाल ही में UPSCपरीक्षा में एक अंक से असफल हो गए थे और इससे वह मानसिक दबाव में थे। कल वह अधिक डिप्रेशन में आ गए थे और घर से बाहर जाने की कहकर निकल पड़े थे। बाद में वह सचिन जीआईडीसी के नीलकंठ हाइट्स सोसाइटी की बिल्डिंग नंबर बी-1 के सातवीं मंजिल से कूद गए। उनके सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। शुभम के निधन से उसका परिवार गहरे शोक में डूबा हुआ है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि शुभम बहुत होशियार था और उसका सपना आईपीएस अधिकारी बनने का था। वह UPSCपरीक्षा की तैयारी कर रहा था, लेकिन एक अंक से असफल होने के बाद वह मानसिक तनाव में था। उसकी दवाइयां भी चल रही थीं। मृतक शुभम का एक भाई और एक बहन भी है। हालांकि, परिवार ने उसे मानसिक दबाव से बचाने के लिए सुरत में अपने पास रखा था, लेकिन उसने यह कदम उठाया।